Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

म

मकिदुनिया, मछुए, मण्डली, मतवाले, मत्ती, मधु, मध्यस्थ, मन, मन फिराना, मनश्शे, मनुष्य का पुत्र, मन्दिर, मन्ना, मरियम, मरियम (मार्था की बहन), मरियम मगदलीनी, मरी, मलाकी, मसीह में, मसीह विरोधी, मसीही विश्वासी, महल, महामहिमन्, महायाजक, महासभा, महिमा, महीने, माका, मादियों, मान लेना, मानना, मार्था, मिटा दे, मिट्टी देना, मिद्यान, मिर्याम, मिलापवाला तम्बू, मिस्पा, मिस्र, मीका, मीकाएल, मीशाएल, मुकुट, मुहर, मूरत/मूरतों, मूर्ख, मूसा, मेमना, मेल करना, मेलबलि, मेलबलि, मेलिकिसिदक, मेशेक, मेसोपोटामिया, मैदान, मोआब, मोर्दकै, मोलेक

मकिदुनिया

तथ्य:

नये नियम के युग में मकिदुनिया एक रोमी प्रान्त था जो प्राचीन यूनान के ठीक उत्तर में था.

- मकिदुनिया के कुछ महत्वपूर्ण नगरों का नाम बाइबल में है, बीरिया, फिलिप्पी और थिस्सलुनीके.
- परमेश्वर ने पौलुस को दर्शन में कहा कि वह मकिदुनिया के लोगों को सुसमाचार सुनाए.
- पौलुस और उसके सहकर्मी मकिदुनिया गए और वहाँ के लोगों को यीशु के बारे में शिक्षा दी तथा नए-विश्वासियों को विश्वास में दृढ़ होने में सहायता की.
- बाइबल में मकिदुनिया के नगरों की कलीसियाओं को लिखे पौलुस के पत्र हैं:- फिलिप्पियों की पत्री, थिस्सलुनिकियों की पत्रिया.

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: विश्वासी, बिरीया, विश्वास, शुभ सन्देश, यूनान, फिलिप्पी, थिस्सलुनिके)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 थिस्सलुनीकियों 01:6–7
- 1 थिस्सलुनीकियों 04:10
- 1 तीमुथियुस 01:3–4
- प्रे.का. 16:10
- प्रे.का. 20:1–3
- फिलिप्पियों 04:14–17

शब्द तथ्य:

- Strong's: G3109, G3110

मछुए

परिभाषा:

मछुए वो लोग होते हैं जो पानी में से मछली पकड़कर रोजगार चलाते हैं। नये नियम के युग में मछुवे बड़े-बड़े जाल डाल कर मछलियां पकड़ते थे। मछुए को मछुआरे भी कहते हैं।

मण्डली

- यीशु के बुलाने से पहले पतरस और अन्य प्रेरित भी मछुवे थे।
- इस्राएल देश पानी के निकट था इसलिए बाइबल में मछलियों और मछुओं की चर्चा बहुत बार की गई है।
- इस शब्द का अनुवाद, "मछली पकड़नेवाले" या "मछली पकड़कर जीविकोपार्जन करने वाले" जैसी उक्तियों द्वारा किया जा सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 47:9–10
- यशायाह 19:8
- लूका 5:1–3
- मत्ती 4:19
- मत्ती 13:47

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1728, H1771, H2271, G02310

मण्डली

परिभाषा:

"मण्डली" का संदर्भ मनुष्यों के एक समूह से है जो किसी कारण, प्रायः समस्या पर विचार करने के लिए, राय देने के लिए, या निर्णय लेने के लिए एकत्र होता है। सभा मनुष्यों का एक ऐसा समूह हो सकता है जो अधिकृत और एक प्रकार से स्थाई रूप में संगठित किया गया है या वह मनुष्यों का एक समूह हो सकता है जो किसी विशेष उद्देश्य या अवसर के निमित्त अस्थाई रूप से एकत्र होता है।

पुराना नियम

- पुराने नियम में एक विशेष सभा होती थी जिसे "पवित्र सभा" कहते थे, वह इस्त्राएलियों द्वारा यहोवा की आराधना के लिए एकत्र समूह होता था।
- कभी-कभी "मण्डली" शब्द इस्राएलियों के समूह को भी कहा जाता था।

नया नियम

- नये नियम में यरूशलेम जैसे प्रमुख नगरों में 70 यहूदी अगुओं की सभा वैधानिक विषयों पर निर्णय लेने और मनुष्यों में वाद-विवाद निपटाने के लिए बैठक करती थी। इस मण्डली को "महासभा" कहते थे।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार "मण्डली" का अनुवाद "विशेष समूह" या "सभा" या "परिषद" या "सेना" या "बड़ा समूह" भी किया जा सकता है।
- जब "मण्डली" शब्द सामान्य उपयोग में इस्राएल के लिए काम में लिया जाता है तो इसका अनुवाद "समुदाय" या "इस्राएल की प्रजा" किया जा सकता है।
- "पूरी सभा" का अनुवाद "सब लोग" या "सब इस्राएलियों का संपूर्ण समूह" या "हर एक जन" किया जा सकता है। (देखें: अतिशयोक्ति)

(यह भी देखें: महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 08:14
- प्रे.का. 07:38
- एज्रा 10:12–13
- इब्रानियों 12:22–24
- लैव्यव्यवस्था 04:20–21
- नहेम्याह 08:1–3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H622, H1481, H2199, H3259, H4150, H4186, H4744, H5475, H5712, H6116, H6633, H6908, H6950, H6951, H6952, G1577, G3831, G4863, G4864, G4871, G4905

मतवाले

तथ्य:

"मतवाले" अर्थात अत्यधिक मदिरापान करने बेसुध होना।

- "पियक्कड़" मनुष्य सदैव मदिरा के नशे में रहता है। ऐसे मनुष्य को "मतवाला" भी कहते हैं।
- बाइबल में विश्वासियों से कहा गया है कि मदिरा से मतवाले होने की अपेक्षा पवित्र-आत्मा के वश में हो जाएं।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार मतवालापन निर्बुद्धि है और मनुष्य को पाप में गिराता है।
- "मतवालापन" के अनुवाद रूप हो सकते हैं, "मतवाले" या "नशे में चूर" या "अत्यधिक मदिरापन" या "मदिरा से तृप्त"।

(यह भी देखें: दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 5:11–13
- 1 शमूएल 25:36
- यिर्मयाह 13:13
- लूका 7:34
- लूका 21:34
- [नीतिवचन 23:19–21](rc://hi/tn/help/pro/23/19)

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5433, H7301, H7910, H7937, H7941, H7943, H8354, H8358, G31780, G31820, G31830, G31840, G36300, G36320

मत्ती

तथ्य:

मत्ती उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने शिष्य होने के लिए बुलाया था। वह हलफई़स का पुत्र लेवी नाम से भी जाना जाता था।

- यीशु से भेंट करने से पूर्व लेवी (मत्ती) कफरहूम से एक चुंगी लेने वाला था।
- मत्ती ने सुसमाचार वृत्तान्त लिखा जो उसके नाम से है।
- बाइबल में लेवी नामक अनेक पुरुष हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, लेवी, चुंगी लेनेवाला)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 5:27
- लूका 6:14–16
- मरकुस 2:14
- मरकुस 3:17–19
- मत्ती 9:9
- मत्ती 10:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: G30170, G31560

मधु

परिभाषा:

"मधु" खानेवाला एक चिपचिपा मीठा पदार्थ होता है जो मधु मक्खियाँ फूलों के रस से तैयार करती हैं। छत्ता मोम जैसा बनाया मधु संग्रह का एक ढांचा है, जिसमें मधु मक्खियाँ मधु एकत्र करती हैं।

- प्रकार के आधार पर शहद पीले या भूरे रंग का हो सकता है।
- मधु जंगल में पाया जा सकता है, जैसे किसी पेड़ की खोह में, या जहाँ भी मधुमक्खियाँ घोंसला बनाती हैं। लोग मधुमक्खियों को खाने या बेचने के लिए मधु बनाने के लिए छत्ते में भी पालते हैं, लेकिन शायद बाइबल में जिस मधु का ज़िक्र किया गया है वह जंगली मधु था।
- बाइबल में तीन मनुष्यों को जंगली मधु खाते हुए दर्शाया गया है, योनातान, शिमशोन और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला।
- इस शब्द का प्रतिकात्मक उपयोग किसी मीठी या आनन्ददायक चीज के लिए भी किया गया है। उदारहणार्थ, परमेश्वर का वचन और आज्ञाएं "मधु से भी अधिक मीठी" कहीं गई हैं।
- कभी-कभी किसी व्यक्ति के शब्दों को शहद की तरह मीठा बताया जाता है, लेकिन इसका परिणाम दूसरों को धोखा देना और नुकसान पहुँचाना होता है।

(यह भी देखें: यूहन्ना (बपतिस्मा देनेवाला), योनातान, पलिश्ती, शिमशोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:1–3
- व्यवस्थाविवरण 6:3
- निर्गमन 13:3–5
- यहोशू 5:6
- नीतिवचन 5:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1706, H3293, H3295, H5317, H6688, G31920

मध्यस्थ

परिभाषा:

"मध्यस्थ" दो पक्षों या अधिक मनुष्यों के मध्य मतभेद या कलह का समाधान करता है। वह आपसी मेल में उनकी सहायता करता है।

मन

- पाप के कारण मनुष्य परमेश्वर का बैरी है जो उसके क्रोध और दण्ड का भागी है। पाप के कारण, परमेश्वर और उसके लोगों के मध्य संबन्ध विच्छेद है।
- यीशु पिता परमेश्वर और उसके लोगों के बीच मध्यस्थ है उसने उनके पाप का मूल्य चुकानेवाली अपनी मृत्यु के द्वारा इस विच्छेदित संबन्ध को पुनः स्थापित कर दिया है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मध्यस्थ का अनुवाद हो सकता है", "बिचौलियाँ" या "मेल कराने वाला" या "शान्ति स्थापित करनेवाला"
- इस शब्द के अनुवाद की तुलना "याजक" शब्द के अनुवाद से करें। "मध्यस्थ" का अनुवाद भिन्न शब्द से करें तो उचित होगा।

(यह भी देखें: याजक, मेल करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 तीमुथियुस 2:5
- गलातियों 3:20
- इब्रानियों 8:6
- इब्रानियों 12:24
- लूका 12:14

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3887, G33120, G33160

मन

परिभाषा:

"मन" मनुष्य का वह भाग है जो सोचता और निर्णय लेता है।

- मनुष्य का मन उसके तर्क एवं विचारों की परिपूर्णता है।
- "मसीह का मन रखना" अर्थात यीशु के समान सोचना एवं कार्य करना। इसका अर्थ है पिता परमेश्वर के आज्ञाकारी होना, मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पवित्र आत्मा के सामर्थ्य से ऐसा करना।
- "मन परिवर्तन" अर्थात निर्णय बदलना या अब विचार पूर्व के विचार से अलग हो जाना।

अनुवाद के सुझाव

- "मन" का अनुवाद हो सकता है, "विचार" या "तर्क करना" या "सोचना" या "समझना।"
- "मन में रखना" का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण रखना" या "ध्यान देना" या "निश्चय जान लेना।"
- "मन, प्राण और बुद्धी" का अनुवाद हो सकता है, "आपको कैसी अनुभूति होती हैं, आप क्या विश्वास करते हैं और आप इस बारे में क्या सोचते हैं। "
- "मन में लाना" का अनुवाद हो सकता है, "स्मरण करना" या "सोचना"।
- "विचार बदल कर चला गया" इसका अनुवाद हो सकता है, "निर्णय बदल कर गया" या "अन्ततः जाने का निर्णय ले ही लिया" या "विचार बदल कर गया।"
- इस अभिव्यक्ति, "दुचित्ता " का अनुवाद हो सकता है, "संदेह" या "निर्णय लेने में असमर्थ" या "विषम विचारों के साथ"

(यह भी देखें: विश्वास, मन, जीव)

मन फिराना

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 10:27
- मरकुस 6:51–52
- मत्ती 21:29
- मत्ती 22:37
- याकूब 4:8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3629, H3820, H3824, H5162, H7725, G1271, G1374, G3328, G3525, G3540, G3563, G4993, G5590

मन फिराना

परिभाषा:

“मन फिराना” और “मन फिराव” का संदर्भ पाप से विमुख होकर परमेश्वर के पास लौट आने से है।

- “मन फिराकर” का मूल अर्थ है, “मनोवृति_चित्वृति का पूर्ण परिवर्तान”
- बाइबल में “मन फिराने” का अर्थ है मनुष्य के सोचने-विचारने और काम करने के पापी स्वभाव से विमुख होकर परमेश्वर के सोचने और कार्य करने की विधि अपनाना।
- जब मनुष्य सच में पापों से मन फिराते हैं, तब परमेश्वर उन्हें क्षमा कर देता है और उसके आज्ञा पालन में उनकी सहायता करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- “मन फिराना” का अनुवाद ऐसे एक शब्द या उक्ति द्वारा किया जाए जिसका अर्थ हो, “पीछे मुड़ना(परमेश्वर की ओर)” या “पाप से विमुख होकर परमेश्वर की ओर मुड़ना” या “परमेश्वर की ओर मुड़ें, पाप से दूर।”।
- "मन फिराव" शब्द का अनुवाद प्रायः क्रिया शब्द "मन फिराना" किया जा सकता हैं। उदाहरण के लिए, "परमेश्वर ने इस्राएल को मन फिराव दिया" इसका अनुवाद किया जा सकता है, "परमेश्वर ने इस्राएल को पश्चाताप करने में सक्षम किया है।"
- "मन फिराव" का अनुवाद करने के अन्य रूपों में हैं, "पाप से विमुख होना" या "परमेश्वर की ओर मुड़कर पाप से दूर होना।"

(यह भी देखें: क्षमा, पाप, विमुख होना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 3:19–20
- लूका 3:3
- लूका 3:8
- लूका 5:32
- लूका 24:47
- मरकुस 1:14–15
- मत्ती 3:3
- मत्ती 3:11
- मत्ती 4:17
- रोमियो 2:4

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **16:2** परमेश्वर की आज्ञान मानने और क्षत्रुओं द्वारा उत्पीडित किए जाने के कई वर्षों बाद, इस्राएलियों ने **पश्चाताप किया** और परमेश्वर से कहा कि वह उन्हें बचाए।
- **17:13** दाऊद को अपने किए हुए अपराधों पर **पश्चाताप** हुआ और परमेश्वर ने उसे क्षमा किया।
- **19:18** भविष्यवक्ताओं ने लोगों को चेतावनी दी कि यदि वे **पश्चाताप** नहीं करेंगे तो परमेश्वर उनको नष्ट कर देगा।
- **24:2** बहुत से आस पास के लोग यूहन्ना को सुनने के लिए बाहर जंगल में निकल आए। यूहन्ना ने उनसे कहा, "**मन फिराओ** क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है!"
- **42:8** "पवित्रशास्त्र में यह भी लिखा है कि मेरे चेले प्रचार करेंगे कि हर एक को पापों की क्षमा प्राप्त_करने_ के लिये पश्चाताप करना चाहिए।"
- **44:5** "तो अब **मन फिराओ** और परमेश्वर की ओर लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ।"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H5150, H5162, H5164, G02780, G33380, G33400, G33410

मनश्शे

तथ्य:

मनश्शे नामक पाँच पुरुष पुराने नियम में हुए हैं।

- यूसुफ के पहिलौठे का नाम मनश्शे था।
- मनश्शे और एप्रैम दोनों को यूसुफ के पिता याकूब ने गोद लिया था। जिसके कारण उनके वंशजों को इस्राएल के बारह गोत्रों में गिने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।
- मनश्शे के वंशज इस्राएल का एक गोत्र हुए।
- मनश्शे का गोत्र "मनश्शे का आधा गोत्र" कहलाता था क्योंकि कनान देश में इस गोत्र के एक भाग ने ही निवास किया था, यरदन नदी के पश्चिम में। इस गोत्र का शेष भाग यरदन नदी के पूर्व में बस गया।
- यहूदा के एक राजा का नाम भी मनश्शे था।
- मनश्शे एक दुष्ट राजा था जिसने अपने बच्चों को झूठे देवताओं के समक्ष होम बलि चढ़ाया था।
- परमेश्वर ने राजा मनश्शे को शत्रु की सेना द्वारा बन्दी बनाये जाने का दण्ड दिया। मनश्शे मन फिराकर परमेश्वर के निकट आया और सब मूर्ति-पूजा की सब वेदियों को नष्ट कर दिया।
- एज्रा के समय में भी मनश्शे नामक दो पुरुष थे। उन्हें अपनी-अपनी अन्यजाति पत्नियों को तलाक देना पड़ा था क्योंकि उन्होंने मूर्ति-पूजा पर दबाव डाला था।
- मनश्शे नामक एक और पुरुष था वह दान वंशियों में कुछ का दादा था, वे झूठे देवताओं के पुजारी थे ।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: वेदी, दान, एप्रैम, एज्रा, मूरत, याकूब, यहूदा, मूर्तिपूजक, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 15:8–9
- व्यवस्थाविवरण 03:12–13
- उत्पत्ति 41:50–52
- उत्पत्ति 48:1–2
- न्यायियों 01:27–28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4519, H4520, G3128

मनुष्य का पुत्र

परिभाषा:

"मनुष्य का पुत्र" यह उपनाम यीशु अपने लिए काम में लेता था। वह "मैं" या "मेरे" की अपेक्षा इसी के द्वारा स्वयं को संबोधित करता था।

- बाइबल में "मनुष्य का पुत्र" किसी पुरुष के संदर्भ देने या उसे संबोधित करने के लिए काम में लिया जाता था। इसका अर्थ "मनुष्य" भी हो सकता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, यहेजकेल में परमेश्वर यहेजकेल को बार-बार "मनुष्य का पुत्र" कहता है। उदाहरणार्थ, वह कहता है, "हे मनुष्य के पुत्र, भविष्यद्वाणी कर" ।
- दानिय्येल ने "मनुष्य के पुत्र" का दर्शन देखा कि वह बादलों पर सवार आ रहा है जो आनेवाले मसीह के संदर्भ में है।
- यीशु स्वयं कहता है कि मनुष्य का पुत्र एक दिन बादलों में सवार होकर आएगा।
- मनुष्य के पुत्र का बादलों पर सवार होकर आना दर्शाता है कि मसीह यीशु परमेश्वर है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मनुष्य का पुत्र" जब यीशु इस उक्ति को काम में लेता है तो इसका अनुवाद हो सकता है, "वह जो मनुष्य बना" या "स्वार्गिक मनुष्य"।
- कुछ अनुवादकों ने कभी-कभी "मैं" या "मुझे" इस शीर्षक के साथ ("मैं, मनुष्य के पुत्र रूप में) यह स्पष्ट करने के लिए काम में लेते हैं कि यीशु अपने बारे में बात कर रहा था।
- यह सुनिश्चित करने के लिए जांचें कि इस शब्द का अनुवाद गलत अर्थ तो नहीं देता है (जैसे किसी अवैध पुत्र का संकेत या यीशु का मात्र मनुष्य होने का संकेत)
- जब किसी व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है, तब "मनुष्य का पुत्र" का अनुवाद हो सकता है, "तू, एक मनुष्य" या "हे मनुष्य" या "मनुष्य" या "पुरुष"

(यह भी देखें: स्वर्ग, पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, यहोवा)

बाइबल के सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:56
- दानिय्येल 7:14
- यहेजकेल 43:6–8
- यूह. 3:12–13
- लूका 6:5
- मरकुस 2:10
- मत्ती 13:37
- भजन-संहिता 80:17–18
- प्रकाशितवाक्य 14:14

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0120, H0606, H1121, H1247, G04440, G52070

मन्दिर

तथ्य:

मन्दिर पर कोटे से घिरा हुआ एक भवन था जहां इस्राएली प्रार्थना करने और बलि चढ़ाने आते थे। यह मन्दिर मोरिय्याह पर्वत पर यरूशलेम नगर में था।

- मन्दिर शब्द संपूर्ण मन्दिर क्षेत्र के संदर्भ में काम में लिया जाता था जिसमें प्रमुख भवन का घिरा हुआ प्रांगण भी था। कभी-कभी यह मात्र भवन के संदर्भ में काम में लिया गया है।
- मन्दिर के दो भाग थे, पवित्र स्थान और परमपवित्र स्थान।
- परमेश्वर मन्दिर को अपना निवास स्थान कहता था।
- राजा सुलैमान ने अपने शासनकाल के दौरान मंदिर का निर्माण किया। यह यरूशलेम में पूजा का स्थायी स्थान माना जाता था।
- नये नियम में कहा गया है, "पवित्र-आत्मा का मन्दिर" तो वह विश्वासियों के समूह को संदर्भित करता है क्योंकि पवित्र आत्मा उनमें वास करता है।

अनुवाद के सुझाव:

- मन्दिर में मनुष्यों की उपस्थिति की जब चर्चा की गई है तो इसका अर्थ है कि वे भवन के बाहर प्रांगण में थे। इसका अनुवाद किया जा सकता है, "मन्दिर के आंगनों में" या "मन्दिर के प्रांगण में"।
- जब भवन की चर्चा की जा रही हो तो कुछ भाषाओं में इसका अनुवाद होगा, "मन्दिर में" या "मन्दिर के भवन में" कि स्पष्ट समझ में आए।
- "मन्दिर" अनुवाद के रूप "परमेश्वर का पवित्र घर" या "पवित्र आराधना स्थल" किया जा सकता है।
- बाइबल में मन्दिर का संदर्भ "यहोवा का भवन" या "परमेश्वर का घर" से है।

(यह भी देखें: बलि, सुलैमान, बाबेल, पवित्र आत्मा, मिलापवाला तम्बू, आंगन, सिय्योन, घराना)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 03:1–3
- प्रे.का. 03:7–8
- यहेजकेल 45:18–20
- लूका 19:45–46
- नहेमायाह 10:28–29
- भजन संहिता 079:1–3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **17:06** दाऊद चाहता था कि वह एक **मंदिर** का निर्माण करें जिसमें सभी इस्राएली परमेश्वर की उपासना करें और बलिदान चढाएँ।
- __18:02__यरुशेलम में, सुलैमान ने अपने पिता की योजना के अनुसार एक **भवन** बनाने का निर्णय किया और उसके लिए समान एकत्र किया | अब लोग मिलापवाले तम्बू के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे | परमेश्वर **भवन** में उपस्थित था, और वह अपने लोगों के साथ रहता था |
- **20:07** उन्होंने यरूशलेम को जित लिया, मंदिर का विनाश कर दिया, और शहर व **मंदिर** की सभी बहुमूल्य वस्तुओं को उनसे छीन कर ले गए |
- **20:13** जब वह लोग वापस यरूशलेम लौटे, उन्होंने **मंदिर** और साथ ही शहर की आस पास की दीवारों का भी पुनर्निर्माण किया |
- **25:04** तब शैतान यीशु को **मंदिर** के ऊचे स्थान पर ले गया और उससे कहा, " यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो अपने आप को नीचे गिरा दे; क्योंकि लिखा है: 'वह तेरे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, और वह तुझे हाथों-हाथ उठा लेंगे | कहीं ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पत्थर से ठेस लगे |'"
- **40:07** जैसे ही यीशु की मृत्यु हुई, वहा भूकंप आया और **मंदिर** का बड़ा परदा जो मनुष्यों को परमेश्वर की उपस्तिथि से दूर रखता था ऊपर से नीचे तक फटकर दो टुकड़े हो गया |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1004, H1964, H1965, H7541, G1493, G2411, G3485

मन्ना

परिभाषा:

मन्ना सफेद रंग का एक प्रकार का अन्न था जिसका प्रावधान परमेश्वर ने इस्राएलियों के लिए किया था जब वे मिस्र से पलायन करके 40 वर्ष जंगल में थे।

- मन्ना सफेद रंग का रूई जैसा पदार्थ था जो प्रतिदिन प्रातःकाल के समय ओस में पाया जाता था। इसका स्वाद मीठा होता है, शहद की तरह।
- सब्त की अपेक्षा प्रतिदिन इस्राएली मन्ना बटोरते थे।
- सब्त के एक दिन पहले परमेश्वर के आदेश के अनुसार इस्राएलियों को दोगुणा मन्ना एकत्र करना होता था कि सब्त के दिन उन्हें परिश्रम न करना पड़े।
- "मन्ना" शब्द का अर्थ है, "यह क्या है?"
- बाइबल में मन्ना को "स्वर्ग की रोटी" या "स्वार्गिक अन्न" कहा गया है।

अनुवाद के सुझाव

- इसका अनुवाद इस प्रकार किया जा सकता है, "सफेद रूई जैसा पदार्थ" या "स्वार्गिक भोजन"।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा की बाईबल में कैसे किया गया है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: रोटी, रेगिस्तान, अन्न, स्वर्ग, सब्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 8:3
- निर्गमन 16:27
- इब्रानियों 9:3–5
- यूहन्ना 6:30–31
- यहोशू 5:12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4478, G3131

मरियम

तथ्य:

मरियम एक युवती थी जो नासरत में रहती थी। उसकी मंगनी यूसुफ से हुई थी। परमेश्वर ने मरियम को चुना कि वह परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह की माता बने।

- पवित्र आत्मा ने अलौकिक कार्य से मरियम को गर्भवती किया जब कि वह कुँवारी थी।
- स्वर्गदूत ने मरियम से कहा था कि उससे जन्म लेने वाला शिशु पुत्र परमेश्वर का पुत्र है और उसका नाम यीशु रखा जाए।
- मरियम परमेश्वर से प्रेम करती थी और उसके इस अनुग्रह के लिए उसने परमेश्वर को धन्यवाद दिया।
- यूसुफ ने मरियम से विवाह किया परन्तु वह यीशु के जन्म तक कुँवारी ही थी।
- मरियम ने चरवाहों और ज्योतिषियों द्वारा शिशु यीशु के लिए कहे गए वचनों को मन में बसा लिया था।
- यूसुफ और मरियम यीशु को समर्पित करने के लिए मन्दिर में ले गए। * वे यीशु को हेरोदेस के हाथों हत्या से बचाने के लिए मिस्र ले गए थे। अन्त में वे नासरत लौट आए।
- जब यीशु वयस्क हो गया तब उसने काना में एक विवाह उत्सव के समय पानी से मदिरा बनाई, मरियम भी वहां थी।
- सुसमाचार वृत्तान्तों में लिखा है कि यीशु के क्रूसीकरण के समय मरियम भी वहां थी। यीशु ने अपने शिष्य यूहन्ना को आदेश दिया कि वह मरियम को अपनी माता के जैसा संभाले।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: काना, मिस्र, हेरोदेस महान, यीशु, यूसुफ (नया नियम), परमेश्वर का पुत्र, कुंवारी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 2:4
- यूहन्ना 2:12
- लूका 1:29
- लूका 1:35
- मरकुस 6:3
- मत्ती 1:16
- मत्ती 1:19

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **22:4** जब इलीशिबा छ: माह गर्भवती थी, वहीं स्वर्गदूत इलीशिबा की कुटुम्बी **मरियम** के पास गया | वह एक कुँवारी थी जिसकी मंगनी यूसुफ नामक पुरुष के साथ हुई थी | स्वर्गदूत ने उससे कहा, "तू गर्भवती होगी, और तेरे एक पुत्र उत्पन्न होगा |" "तू उसका नाम यीशु रखना | वह महान होगा और परम प्रधान का पुत्र कहलाएगा और हमेशा के लिए राज्य करेगा |"
- **22:5** स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया, "पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी | इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा |" जो कुछ स्वर्गदूत ने **मरियम** से कहा, उसने उस पर विश्वास किया |
- **22:6** स्वर्गदूत ने मरियम से बात की, उसके कुछ समय बाद वह इलीशिबा से भेंट करने को गई | ज्योंही इलीशिबा ने **मरियम** का नमस्कार सुना, त्योंही बच्चा उसके पेट में उछला |
- **23:2** स्वर्गदूत ने उससे कहा, "हे यूसुफ ! तू अपनी पत्नी **मरियम** को यहाँ ले आने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है |
- **23:4** अत: यूसुफ और **मरियम** भी एक लम्बी यात्रा तय करके नासरत को गए, क्योंकि यूसुफ दाऊद के घराने और वंश का था, गलील के नासरत नगर से यहूदिया में दाऊद के नगर बैतलहम को गया |

- **49:1** एक दूत ने **मरियम** नाम की एक कुंवारी से कहा कि वह परमेश्वर के पुत्र को जन्म देगी | अतः जबकि वह एक कुँवारी ही थी, उसने एक पुत्र को जन्म दिया और उसका नाम यीशु रखा |

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G31370

मरियम (मार्था की बहन)

तथ्य:

मरियम बैतनिय्याह वासी थी जो यीशु की शिष्या थी।

- मरियम की बहन मार्था और भाई लाज़र भी यीशु के अनुयायी थे।
- यीशु ने कहा कि उसकी शिक्षाओं को सुनना मरियम का एक सर्वोत्तम चुनाव था, अपेक्षा इसके कि मार्था उसके लिए भोजन व्यवस्था की चिन्ता करती।
- मरियम के भाई लाज़र ही को तो यीशु ने पुनःजीवित किया था।
- कुछ समय पश्चात जब यीशु बैतनिय्याह में किसी के घर भोजन कर रहा था तब उसकी उपासना में मरियम ने यीशु के पावों पर बहुमूल्य इत्र डाला था।
- इस काम के लिए यीशु ने उसकी प्रशंसा करते हुए कहा था कि वह उसके दफन के लिए उसके शरीर को तैयार कर रही है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतनिय्याह, लोबान, लाज़र, मार्था)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 11:1–2
- यूहन्ना 12:1–3
- लूका 10:38–39

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G31370

मरियम मगदलीनी

तथ्य:

मरियम मगदलीनी उन सब स्त्रियों में से एक थी जो यीशु में विश्वास करती थी और उसकी सेवा में उसके साथ रहती थी। वह यीशु द्वारा सात दुष्टात्माओं से मुक्ति पाने के लिए प्रसिद्ध थी।

- मरियम मगदलीनी और अन्य कुछ स्त्रियाँ यीशु और उसके शिष्यों को सहयोग प्रदान करती थी।
- वह यीशु को मृतकों में से जी उठने के बाद देखनेवाली सर्वप्रथम महिलाओं में से एक थी।
- जब मरियम मगदलीनी खाली कब्र के बाहर खड़ी थी तब उसने यीशु को वहां खड़े देखा और यीशु ने उससे कहा कि वह जाकर शिष्यों से कहे कि वह जी उठा है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दुष्टात्मा, दुष्टात्माग्रस्त)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 8: 1–3
- लूका 24:8–10
- मरकुस 15:39–41
- मत्ती 27:54–56

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G30940, G31370

मरी

परिभाषा:

विपत्तियों ऐसी घटनाएं होती है जिनके कारण बड़ी संख्या में मनुष्यों पर कष्ट आते हैं या मनुष्य मरने लगते हैं। विपत्तियों में महामारी रोग भी होता है जिसके कारण उपचार से पूर्व ही बड़ी संख्या में लोग मर जाते हैं।

- अनेक विपत्तियों को प्राकृतिक कारण होते हैं परन्तु कुछ परमेश्वर द्वारा मनुष्यों के पाप स्वरूप भेजी जाती हैं।
- मूसा के समय परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां भेजी थी कि इस्राएल के मिस्र से पलायन हेतु फिरौन को विवश करे। उन विपत्तियों में पानी लहू में बदल गया था, शारीरक रोग थे, टिड्डियों और ओला वृष्टि द्वारा फसल का नष्ट होना, तीन दिन पूर्ण अंधकार होना तथा पहिलौठों की मृत्यु।
- इसका अनुवाद हो सकता है, "व्यापक विनाश" या "व्यापक रोग" प्रकरण के अनुसार करे।

(यह भी देखें: नमस्कार, इस्राएल, मूसा, फ़िरौन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 24:13–14
- निर्गमन 09:13–14
- उत्पत्ति 12:17–20
- लूका 21:10–11
- प्रकाशितवाक्य 09:18–19

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1698, H4046, H4194, H4347, H5061, H5062, H5063, H7752, G3061, G3148, G4127

मलाकी

तथ्य:

मलाकी यहूदा राज्य में परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था। वह मसीह के आगमन से 500 वर्ष पूर्व का था।

- मलाकी उस समय भविष्यद्वाणी कर रहा था जब यहूदी बेबीलोन से लौटकर मन्दिर का पुनः निर्माण कर रहे थे।
- एज्रा और नहेम्याह मलाकी के समय के ही थे।
- मलाकी की पुस्तक पुराने नियम की अन्तिम पुस्तक है।
- पुराने नियम के सब भविष्यद्वक्ताओं के सदृश्य मलाकी ने भी पाप से मन-फिराव तथा यहोवा की आराधना में लौट आने का प्रचार किया था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बाबेल, बन्दी, एज्रा, यहूदा, नहेमायाह, भविष्यद्वक्ता, मन फिराना, फिरना)

बाइबल सन्दर्भ:

- मलाकी 01:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4401

मसीह में

परिभाषा:

"मसीह में" तथा समानार्थक शब्दों का अर्थ है विश्वास के द्वारा मसीह यीशु में संबन्ध रखना।

मसीह में

- इसके समानार्थक अन्य शब्द हैं, “मसीह यीशु में, यीशु मसीह में, प्रभु यीशु में, प्रभु यीशु मसीह में”।
- “मसीह में” इस उक्ति के संभावित अर्थ हैं, “क्योंकि तुम मसीह के हो” या “मसीह के साथ तुम्हारे संबन्ध के द्वारा” या “मसीह में तुम्हारे विश्वास के आधार पर”
- इन सब उक्तियों के अर्थ हैं, यीशु में विश्वास और उसके शिष्य होने की स्थिति में।
- ध्यान रखें: कभी-कभी “में” शब्द क्रिया के साथ प्रबल है। उदाहरण, “मसीह में सहभागी” अर्थात मसीह के ज्ञान से जो लाभ प्राप्त होते हैं, उसमें सहभागी होना। “मसीह” में महिमा करना अर्थात आनन्दित होकर परमेश्वर की स्तुति करना कि यीशु क्या है और उसने क्या किया। मसीह में “विश्वास करना” अर्थात उसमें उद्धारक का विश्वास करना और उसे जानना।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “मसीह में” और “प्रभु में” (और सम्बन्धित वाक्यांश) अनुवाद करने के विभिन्न तरीके ये हो सकते हैं:
    - “जो मसीह के है”
    - “क्योंकि तुम मसीह में विश्वास करते हो”
    - "क्योंकि मसीह ने हमें बचा लिया"
    - "प्रभु की सेवा में"
    - "प्रभु पर निर्भर"
    - “क्योंकि प्रभु ने जो कुछ किया”
- जो लोग मसीह में "विश्वास करते हैं" या जो मसीह पर "विश्वास रखते हैं," वे विश्वास करते हैं कि यीशु ने क्या सिखाया है और उन पर विश्वास कर रहे हैं ताकि क्रूस पर उनके बलिदान के कारण उन्हें बचाया जा सके ताकि उनके पापों के लिए दंड का भुगतान किया जा सके। कुछ भाषाओं में एक शब्द हो सकता है जो क्रियाओं का अनुवाद करता है जैसे "विश्वास करना" या "साझा करें" या "विश्वास में"।

मसीह विरोधी

(यह भी देखें: मसीह, प्रभु, यीशु, विश्वास, विश्वास)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 02:4–6
- 2 कुरिन्थियों 02:16–17
- 2 तीमुथियुस 01:1–2
- गलातियों 01:21–24
- गलातियों 02:17–19
- फिलेमोन 01:4–7
- प्रकाशितवाक्य 01:9–11
- रोमियो 09:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: G1519, G2962, G5547

मसीह विरोधी

परिभाषा:

"मसीह विरोधी" शब्द का संदर्भ उस व्यक्ति या शिक्षा से है जो मसीह यीशु और उसके काम के विरूद्ध है। संसार में अनेक मसीह विरोधी हैं।

- प्रेरित यूहन्ना लिखता है कि यदि कोई यह शिक्षा देकर मनुष्यों को पथ-भ्रष्ट करे कि यीशु मसीह नहीं है या इन्कार करे कि यीशु परमेश्वर एवं मनुष्य दोनों है तो वह मसीह विरोधी है।
- बाइबल की शिक्षा के अनुसार संसार में मसीह विरोधी की आत्मा सार्वलौकिक है जो यीशु के काम का विरोध करती है।
- नये नियम की पुस्तक प्रकाशितवाक्य में लिखा हे कि एक पुरूष "मसीह विरोधी" कहलाएगा जो अन्त समय में प्रकट होगा। वह परमेश्वर के लोगों को नष्ट करने का प्रयास करेगा परन्तु वह यीशु द्वारा परास्त किया जाएगा।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अनुवाद करने के लिए ऐसे शब्द या उक्तियां हो सकती हैं जिनका अर्थ हो, "मसीह का विरोधी" या "मसीह का बैरी" या "मसीह का विरोध करनेवाला मनुष्य"
- "मसीह विरोधी की आत्मा" का अनुवाद हो सकता है, "आत्मा जो मसीह के विरुद्ध है"। या "(कोई) मसीह के बारे में झूठी शिक्षा देता है" या "मसीह के बारे में झूठी शिक्षा पर विश्वास करने की प्रवृत्ति" या "बुरी आत्मा जो मसीह के बारे में झूठी शिक्षा देती है।"
- इस बात का भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा के बाइबल अनुवाद में कैसा है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: मसीह, प्रकट करना, क्लेश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 2:18
- 1 यूहन्ना 4:3
- 2 यूहन्ना 1:7

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G500

मसीही विश्वासी

परिभाषा

यीशु के स्वर्गारोहण के कुछ समय बाद विश्वासियों को "मसीही" कहा गया जिसका अर्थ है, "मसीह के अनुयायी"

- अन्ताकिया नगर में यीशु के अनुयायियों को सबसे पहले "मसीही" कहा गया था।
- मसीही जन वह मनुष्य है जो विश्वास करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है और यीशु में विश्वास करता है कि उसने उसका पाप मोचन किया।
- आज, हमारे युग में "मसीही" शब्द अधिकतर मसीही धर्म मानने वाले के अर्थात उससे पहचान बनाने वाले के संदर्भ में काम में लिया जाता है चाहे वह व्यक्ति वास्तव में यीशु का अनुसरण नहीं करता हो। बाइबल में "मसीही" शब्द का अर्थ यह नहीं है।
- क्योंकि बाइबल में "मसीही" शब्द सदैव उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो वास्तव में यीशु में विश्वास करता है, मसीही जन को "विश्वासी" भी कहते हैं।

अनुवाद के सुझाव

इस शब्द का अनुवाद "मसीही अनुयायी" या "मसीह का अनुयायी" या संभवतः "मसीह जन" जैसा।

- सुनिश्चित करें कि इस शब्द का अनुवाद शिष्य और प्रेरित शब्दों के अनुवाद से भिन्न हो।
- सावधानी-पूर्वक अनुवाद करें कि इस शब्द का अनुवाद यीशु में विश्वास करनेवाले सब जनों के संदर्भ में हो न कि किसी एक समुदाय या वर्ग से हो।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद स्थानीय या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: अन्ताकिया, मसीह, आराधनालय, चेले, विश्वासी, यीशु, परमेश्वर का पुत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 6:7–8
- 1 पतरस 4:16
- प्रे.का. 11:26
- प्रे.का. 26:28

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **46:9** और चेलें सब से पहले अन्ताकिया ही में "**मसीही**" कहलाए।
- **47:14** पौलुस और अन्य **मसीही** अगुवों ने अनेक शहरों में यीशु का प्रचार किया और लोगों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी।
- **49:15** यदि आप यीशु पर और जो कुछ उसने आपके लिए किया उस पर विश्वास करते हो, तो आप एक **मसीही** हो!
- **49:16** यदि तुम एक **मसीही** हो, तो जो कुछ यीशु ने किया उसके कारण परमेश्वर ने तुम्हारे पाप माफ़ कर दिए हैं।
- **49:17** यद्यपि आप एक **मसीही** हैं, फिर भी आप पाप करने की परीक्षा में पड़ेंगे।
- **50:3** स्वर्ग में वापस जाने से पहले, यीशु ने **मसीहों** से कहा कि वे उन लोगों को शुभ समाचार सुनाएँ जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना।
- **50:11** जब यीशु वापस आएगा, तो हर **मसीही** जो मरा गया है वह मृतकों में से जी उठेगा और उससे आकाश में मिलेगा।

शब्द तथ्य

- स्ट्रोंग्स: G 55460

महल

परिभाषा:

"महल" उस इमारत या घर को संदर्भित करता है जहां एक राजा अपने परिवार के सदस्यों के साथ तथा सेवकों के साथ रहता था।

- महायाजक भी महल में रहता था जैसा नये नियम से विदित है।
- महल सजे हुए होते थे, उनकी वास्तुकला और साज-सज्जा उत्कृष्ट होती थी।
- महल पत्थर या लकड़ी के बने होते थे और उन पर मूल्यवान लकड़ी, सोना या हाथी दांत की नक्काशी की साज सज्जा होती थी।
- महलों में और भी लोग रहते थे और काम करते थे, महलों में सामान्यतः कई अन्य ईमारतें तथा प्रांगण होते थे।

(यह भी देखें: आंगन, महायाजक, राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 28:7–8
- 2 शमूएल 11:2–3
- दानिय्येल 5:5–6
- मत्ती 26:3–5
- भजन संहिता 45:8

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0759, H1002, H1004, H1055, H1406, H1964, H1965, G08330, G09330, G42320

महामहिमन्

परिभाषा:

"महामहिमन्" शब्द का अर्थ है महानता और ऐश्वर्य विशेष करके राजा के गुणों से सम्बंधित।

- बाइबल में "महामहिमन्" शब्द अधिकतर परमेश्वर की महानता के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वह ब्रह्माण्ड के पर सबसे बड़ा राजा है।
- "महामहिम" राजा को संबोधित करने की विधि है।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "राजसी महानता" या "राजसी ऐश्वर्य
- "महामहिमन्" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "राजाधिराज" या "परम-श्रेष्ठ" या लक्षित भाषा में शासक को संबोधित करने की कोई स्वाभाविक विधि।

(यह भी देखें: राजा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 1:16–18
- दानिय्येल 4:36
- यशायाह 2:10
- यहूदा 1:25
- मीका 5:4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1347, H1348, H1420, H1923, H1926, H1935, H7238, G31680, G31720

महायाजक

परिभाषा:

"महायाजक" शब्द उस विशेष याजक के सन्दर्भ में है जिसकी नियुक्ति सब इस्राएली याजकों के ऊपर एक वर्ष की सेवा के लिए की जाती थी। नए नियम के युग में, कुछ ऐसे याजक भी थे जिनको अत्यधिक महत्त्वपूर्ण यहूदी धर्म गुरु माना जाता था। उन्हें अन्य याजकों और मनुष्यों पर अधिकार होता था। ये प्रधान याजक थे।

- महायाजक के विशेष उत्तरदायित्व थे। एकमात्र वही था जो वर्ष में एक बार विशेष बलि चढ़ाने के लिए मिलाप वाले तम्बू या मन्दिर के परम-पवित्र स्थान में प्रवेश कर सकता था।
- इस्राएल में याजक तो अनेक थे परन्तु एक बार में एक ही महायाजक होता था।
- सेवानिवृत हो जाने के बाद भी महायाजक अपनी उपाधि प्रतिधारित रखता था वरन उसके पास कुछ कर्यकारी उत्तरदायित्व भे होते थे| उदाहरणार्थ, हन्ना कैफा के महायाजक होते हुए भी महायाजक कहलाता था|
- प्रधान याजकों का उत्तरदायित्व था कि मंदिर में आराधना के लिए सब आवश्यकताओं की पूर्ती करें| वे मंदिर में दिए जाने वाले पैसों के भी प्रभारी थे|
- प्रधान याजक, पद और अधिकारों में अन्य याजकों से ऊपर थे| उनसे अधिक अधिकार संपन्न केवल महायाजक था|
- ये प्रधान याजक यीशु के बैरियों में से थे और उन्होंने रोमी अधिकारियों को प्रभावित किया कि उसको बंदी बनाकर मृत्यु दंड दें|

अनुवाद के सुझाव:

- “महायाजक” का अनुवाद “ सर्वोच्च याजक” या “सबसे बड़ा याजक” किया जा सकता है।
- "प्रधान याजक" शब्द का अनुवाद हो सकता है: "प्रमुख याजक" या "अगुवे याजक" या "प्रशासनिक याजक"

(यह भी देखें: हन्ना, कैफा, याजक, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 5:27
- प्रे.का. 7:1
- प्रे.का. 9:1
- निर्गमन 30:10
- इब्रानियों 6:19–20
- लैव्यव्यवस्था 16:32
- लूका 3:2
- मरकुस 2:25–26
- मत्ती 26:3–5
- मत्ती 26:51–54

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:8** _महायाजक_ की अपेक्षा परदे के पीछे के कक्ष में कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता था क्योंकि वहाँ परमेश्वर का निवास था।
- **21:7** मसीह जो आएगा वही एकमात्र एक सिद्ध **महायाजक** होगा जो परमेश्वर के लिए सिद्ध बलि होने के लिए स्वयं को दे देगा।
- **38:3** यहूदी गुरुओं ने **प्रधान याजक** के नेतृत्व में यीशु को धोखा देने के लिये यहूदा को तीस चाँदी के सिक्के तोलकर दे दिए।
- **39:1** तब यीशु के पकड़ने वाले उसको_महायाजक_ के घर ले गए, कि **महा याजक** यीशु से प्रश्न करे।
- **39:3** अंत में, **महायाजक** ने यीशु की ओर सीधा देखकर उससे कहा, “हमें बता कि क्या तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र?”
- **44:7** दूसरे दिन ऐसा हुआ कि यहूदी याजक पतरस और यूहन्ना को लेकर **महायाजक** और अन्य यहूदी अगुओं के पास गए।
- **45:2** तब धर्मगुरुओं ने स्तिफनुस को पकड़ा और महायाजक तथा यहूदियों के अन्य धर्मगुरुओं के पास ले गए जहां और अधिक झूठे गवाहों ने स्तिफनुस के विषय झूठी बातें कहीं।

महासभा

- **46:1 महायाजक** ने शाऊल को अनुमति दी कि वह दमिश्क शहर में जाकर वहा के मसीहियों को पकड़कर वापस यरूशलेम ले आए।
- **48:6** यीशु एक महान **महायाजक** है, दूसरे याजकों से भिन्न। उसने अपने आप को उस एकलौते बलिदान के रूप में अर्पण किया जो संसार के सब मनुष्य के पापों को उठा कर ले जा सकता है। यीशु एक सिद्ध **महायाजक** है क्योंकि उस हर एक पाप का दंड भोगा जो कभी किसी ने किया हो।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7218, H1419, H3548, G748, G749

महासभा

परिभाषा:

महासभा मनुष्यों का एक समूह होता है जो महत्वपूर्ण विषयों पर विचार करने, परामर्श देने तथा निर्णय लेने के लिए बैठता है।

- किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त सभा की व्यवस्था अधिकृत एवं स्थाई रूप में की जाती है जैसे वैधानिक विषयों पर निर्णय लेना।
- "यहूदी महासभा" यरूशलेम, को "सेनहड्रिन" कहते थे, उसके 70 सदस्य थे जिनमें यहूदी अगुवे जैसे महायाजक, प्राचीन, शास्त्री, फरीसी, सदूकी थे, वे यहूदी व्यवस्था से संबन्धित विषयों पर निर्णय लेने के लिए नियमित रूप से सभा करते थे। इसी महासभा ने यीशु पर अभियोग चलाकर उसे मृत्यु देने का निर्णय लिया था।
- अन्य नगरों में भी छोटी यहूदी सभाएं थी।
- प्रेरित पौलुस को रोमी प्रशासक के समक्ष उपस्थित किया गया था क्योंकि वह सुसमाचार प्रचार कर रहा था।
- प्रकरण के अनुसार "सभा" का अनुवाद हो सकता है, "विधान सभा" या "राजनीतिक सभा"
- "सभा में होना" अर्थात किसी बात का निर्णय लेने के लिए किसी विशेष सभा में उपस्थित होना।
- ध्यान दें कि यह शब्द "सम्मति" से भिन्न है जिसका अर्थ है, "बुद्धिमानी का परामर्श देना"

(यह भी देखें: सभा, सम्मति, फरीसी, व्यवस्था, याजक, सदूकी, शास्त्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:57–58
- प्रे.का. 24:20
- यूहन्ना 3:2
- लूका 22:68
- मरकुस 13:9
- मत्ती 5:22
- मत्ती 26:59

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4186, H5475, G10100 , G48240, G48920

महिमा

महिमा

परिभाषा:

"महिमा" शब्द अवधारणाओं के पूर्ण कुल के लिए एक सर्वनिष्ठ शब्द है अर्थात,मान,महत्त्व, प्रतिष्ठा,सम्मान,वैभव या गौरव आदि के लिए| "महिमा" शब्द का अर्थ है, किसी मनुष्य या वस्तु को महिमा का श्रेय देना या प्रकट करना या वर्णन करना कि कोई वस्तु या मनुष्य कैसा वैभवशाली है।

- बाईबल में, "महिमा" शब्द विशेष करके परमेश्वर के वर्णन हेतु काम में लिया गया है क्योंकि वह सम्पूर्ण ब्रहमांड में सबसे अधिक माननीय, अधिक योग्य, अधिक महत्वपूर्ण, अधिक सम्मानित, अधिक वैभवशाली, अधिक गौरवशाली है। उसके गुणों की हर एक बात उसकी महिमा का वर्णन करती है।
- मनुष्य उसके द्वारा किए गए अद्‌भुत कामों का वर्णन करके उसकी महिमा कर सकते हैं। वे परमेश्वर के गुणों के अनुरूप जीवन निर्वाह करके परमेश्वर की महिमा कर सकते हैं क्योंकि ऐसा करने से अन्य मनुष्यों पर उसका मान, सम्मान, महत्त्व, प्रतिष्ठा, वैभव और महातम्य प्रकट होता है।
- यह अभिव्यक्ति "में महिमान्वन" का अर्थ है, डींग मारना या किसी बात पर घमंड करना। कि कुछ के बारे में घमण्ड करना या गर्व करना

पुराना नियम

- पुराने नियम में यह विशिष्ट उक्ति, "यहोवा का तेज" प्रायः किसी स्थान विशेष में यहोवा के दृष्टिगम्य प्रकटीकरण के सन्दर्भ में है।

नया नियम

- पिता परमेश्वर पुत्र परमेश्वर के महिमान्वन में सब लोगों पर प्रकट करेगा कि यीशु कैसा महिमामय है।
- वह हर एक जन जो मसीह में विश्वास करता है, उसके साथ महिमान्वित किया जाएगा। यहाँ "महिमान्वन" शब्द का अर्थ अद्वैत है। इसका अर्थ है कि जब मसीह में विश्वास करने वाले पुनर्जीवित किए जाएंगे तब उनका शरीर बदल कर यीशु के उस शरीर के सामान हो जाएगा जो पुनरुत्थान के बाद उसका था।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार, “महिमा” के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “वैभव” या “तेज” या “प्रताप” या “महातम्य” या “परम मूल्य”

- “महिमामय” का अनुवाद “महिमा से पूर्ण” या “अत्यधिक मूल्यवान” या “तीव्र प्रकाशमान” या “भयानक वैभव” किया जा सकता है।
- "परमेश्वर की महिमा करो", इस अभिव्यक्ति का अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की महानता का सम्मान करो" या "परमेश्वर के वैभव के कारण उसकी स्तुति करो" या "दूसरों को बताओं कि परमेश्वर कैसा महान है।"
- इस अभिव्यक्ति " में महिमा" का अनुवाद हो सकता है, "स्तुति" या "में गर्व करना" या "घमण्ड करना" या "में प्रसन्न होना।"
- "महिमान्वन करना" का अनुवाद हो सकता है, "महिमा का कारण हो" या "महिमा प्रकट करो" या "महान प्रकट होने का कारण उत्पन्न करो"
- यह अभिव्यक्ति, "परमेश्वर का महिमान्वन करो"; इसका अनुवाद हो सकता है, "परमेश्वर की स्तुति करो" या "परमेश्वर की महानता का वर्णन करो" या "प्रकट करो कि परमेश्वर कैसा महान है" या "(आज्ञापालन द्वारा) परमेश्वर का सम्मान करो"
- "महिमान्वित हो" का अनुवाद हो सकता है, "महामहिम दिखाए जाओ" या "स्तुति योग्य हो" या "प्रतिष्ठित हो"

(यह भी देखें: सम्मान, वैभवmajesty, प्रतिष्ठा करना, आज्ञापालन, स्तुति करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 24:17
- गिनती 14:9–10
- यशायाह 35:2
- लूका 18:43
- लूका 2:9
- युहन्ना 12:28
- प्रे.का. 3:13–14
- प्रे.का 7:1–3
- रोमियों 8:17
- 1 कुरिन्थियों 6:19–20
- फिलिपियों 2:14–16
- फिलिपियों 4:19
- कुलुसियों 3:1–4
- 1 थिस्लुनिकियों 2:5
- याकूब 2:1–4
- 1 पतरस 4:15–16
- प्रका. 15:4

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **23:7** तब एकाएक स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते हुए दिखाई दिया, “आकाश में परमेश्वर की **महिमा** और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है, शान्ति हो ।”
- **25:6** फिर शैतान ने यीशु को जगत के सारे राज्य और उसका **वैभव** दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।”
- **37:1** यह सुनकर यीशु ने कहा, “यह बीमारी मृत्यु की नहीं; परन्तु परमेश्वर की **महिमा** के लिये है।
- **37:8** यीशु ने जवाब दिया , “क्या मैं ने तुझ से नहीं कहा था कि यदि तू मुझ पर विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की **महिमा** को देखेगी?”

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H117, H142, H155, H215, H1342, H1921, H1926, H1935, H1984, H3367, H3513, H3519, H3520, H6286, H6643, H7623, H8597,

G13910, G13920, G17400, G17410, G27440, G48880

महीने

परिभाषा:

"महीना" शब्द चार सप्ताहों के समय के संदर्भ में है। प्रत्येक महीने के दिनों में अन्तर तब आ जाता है जब चांद या सूर्य पर आधारित कैलेण्डर काम में लिया जाता है।

- चांद आधारित कैलेण्डर में महीने का समय चांद द्वारा पृथ्वी की परिक्रमा के दिनों पर आधारित होता है अर्थात 29 दिन। इस प्रणाली में वर्ष 12 या 13 महीनों का होता है। 12 या 13 महीनों का वर्ष होने के उपरान्त भी प्रथम माह का नाम वही होता है यद्यपि ऋतु अलग होगी।
- "नया चांद" या चांद का आरंभिक चरण-चांदी का सा प्रकाश, चांद आधारित कैलेण्डर के प्रत्येक महीने का आरंभ है।
- बाइबल में जिन महीनों का उल्लेख किया गया है वे चन्द्र वर्ष के महीने हैं क्योंकि इस्राएल इसी कैलेण्डर को मानता था। आज के यहूदी धार्मिक उद्देश्यों में इसी कैलेण्डर को मानते हैं।
- आज का प्रचलित कैलेण्डर सौर कैलेण्डर निर्भर करता है कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करने में कितने दिन लगाती है (लगभग 365 दिन) इस कैलेण्डर में वर्ष बारह महीनों में विभाजित होता है, प्रत्येक वर्ष 28 से 31 दिन तक का होता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 20:34
- प्रे.का. 18:9–11
- इब्रानियों 11:23
- गिनती 10:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2320, H3391, H3393, G3376

माका

तथ्य:

माका अब्राहम के भाई नाहोर के पुत्रों में से एक था। पुराने नियम में इस नाम के और भी पुरुष हुए हैं।

- माका या बेतमाका नगर इस्राएल के दूर उत्तर में नप्ताली गोत्र के क्षेत्र में था।
- यह एक महत्वपूर्ण नगर था और शत्रु बार-बार उस पर आक्रमण करते थे।
- माका अनेक स्त्रियाँ का नाम था, जिनमें दाऊद के पुत्र अबशालोम की माँ भी थी।
- राजा आसा ने अपनी माता माका को रानी होने से हटा दिया था क्योंकि उसने अशेरा की मूर्ति-पूजा आरंभ कर दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आसा, अशेरा, नहोर, नप्ताली, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4601

मादियों

तथ्य:

मादी साम्राज्य एक प्राचीन साम्राज्य था जो अश्शूर देश और बेबीलोन के पूर्व में तथा एलाम और फारस के उत्तर में था। मादी राज्य के लोग "मादियों" कहलाते थे।

- मादी साम्राज्य में आज के तुर्किस्तान, सीरिया, ईराक और अफगानिस्तान के कुछ भाग थे।
- मादी लोग फारसियों के निकट संबंध में थे और दोनों की संयुक्त सेना ने बेबीलोन को जीता था।
- बेबीलोन पर मादी घराने के राजा दारा ने आक्रमण किया था जब दानिय्येल भविष्यद्वक्ता बेबीलोन में था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अश्शूर, बाबेल, कुस्रू, दानिय्येल, दारा, एलाम, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 17:06
- प्रे.का. 02:09
- दानिय्येल 05:28
- एस्तेर 01:3–4
- एज्रा 06:1–2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4074, H4075, H4076, H4077, G3370

मान लेना

परिभाषा:

अंगीकार करने का अर्थ है स्वीकार करना या बलपूर्वक कहना कि कोई बात सच है। "अंगीकार" एक अभिकथन या स्वीकरण है कि कोई बात सच है

- “अंगीकार” का संदर्भ परमेश्वर के बारे में सत्य का निर्भीकतापूर्वक वर्णन करने से है. इसका संदर्भ अपने पाप मान लेने से भी है.
- बाइबल में लिखा है कि यदि मनुष्य परमेश्वर के समक्ष अपने पापों का अंगीकार करें तो परमेश्वर उन्हें क्षमा कर देगा.
- प्रेरित याकूब अपने पत्र में लिखता है कि विश्वासी एक दूसरे के सामने अपने पापों को मान लें तो इससे आत्मिक चंगाई मिलती है.
- प्रेरित पौलुस ने फिलिप्पी की कलीसिया को पत्र लिखा कि एक दिन हर एक जन अंगीकार करेगा या घोषणा करेगा कि यीशु प्रभु है.
- पौलुस ने यह भी कहा है कि मनुष्य यदि यीशु को प्रभु कहकर अंगीकार करें और विश्वास करें कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया तो वे उद्धार पाएंगे.

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार “अंगीकार” (मान लें) का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “गवाही देना” या “घोषणा करना” या “स्वीकार करना” या “पुष्टि करना।”
- “अंगीकार” के अनुवाद के अन्य रूप हो सकते हैं, “घोषणा”, या “गवाही” या “अपने विश्वास का अभिकथन” या “पाप स्वीकरण”

(यह भी देखें: विश्वास, साक्षी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 1:8–10
- 2 यूहन्ना 1:7–8
- याकूब 5:16
- लैव्यव्यवस्था 5:5–6
- मत्ती 3:4–6
- नहेम्याह 1:6–7
- फिलिप्पियों 2:9–11
- भजन संहिता 38:17–18

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3034, H8426, G18430, G36700, G36710

मानना

तथ्य:

“मानना” (अभिस्वीकार करना) अर्थात किसी मनुष्य को या वस्तु को यथा उचित मान देना।

- परमेश्वर का अंगीकार करना में ऐसा आचरण आता है जिससे प्रकट हो कि वह जो कहता है वह सच है।
- परमेश्वर को माननेवाले मनुष्य उसके नाम के महिमान्वन के निमित्त आज्ञापालन द्वारा प्रकट करते हैं।
- किसी बात को मानने का अर्थ है कि उसकी सच्चाई को स्वीकार करना, कार्यों एवं शब्दों द्वारा उसकी पुष्टि करना।

अनुवाद के सुझाव:

- किसी बात की सत्यता को स्वीकार करने के संदर्भ में “मानना” शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “घोषित करना” या “सत्य का अंगीकार करना” या “विश्वास करना”।
- किसी मनुष्य को मानने (पहचान लो) के संदर्भ में इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “स्वीकार करना” या “के महत्व को पहचानना” या “अन्यों से कहना कि वह विश्वासयोग्य है।”
- इस सन्दर्भ में परमेश्वर को मानना का अनुवाद होगा, "परमेश्वर पर विश्वास करना और उसका आज्ञापालन करना" या "घोषित करना कि परमेश्वर कौन है" या "अन्य लोगों को बताना कि परमेश्वर कितना महान है" या "अंगीकार करना कि परमेश्वर जो कहता है और करता है सच है।"

(यह भी देखें: आज्ञापालन, महिमा, उद्धार)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 11:38–39
- यिर्मयाह 9:4–6
- अय्यूब 34:26–28
- लैव्यव्यवस्था 22:32
- भजन 29:1–2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3045, H3046, H5046, H5234, H6942, G14920, G19210, G36700

मार्था

तथ्य:

मार्था बैतनिय्याह की निवासी थी जो यीशु की अनुयायी थी।

- मार्था की बहन मरियम और भाई लाज़र भी यीशु के अनुयायी थे।
- एक बार यीशु उनके घर गया तब मार्था तो खाना तैयार करने में व्यस्त हो गई परन्तु मरियम यीशु के पास बैठकर उसकी शिक्षा सुनने लगी।
- लाज़र की मृत्यु पर मार्था ने यीशु के समक्ष स्वीकार किया कि यीशु, परमेश्वर का पुत्र, मसीह है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: लाज़र, मरियम (मार्था की बहन))

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 11:2
- यूहन्ना 12:1–3
- लूका 10:39

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G31360

मिटा दे

परिभाषा:

"मिटा दे" और "मिटा डाले" अर्थात किसी वस्तु को या किसी मनुष्य को पूर्ण रूप से नष्ट कर देना या हटा देना।

- इन शब्दों का उपयोग सकारात्मक रूप में भी किया जाता है जैसे परमेश्वर अपराधों को "मिटा डालता" है, उन्हें क्षमा करके कभी स्मरण नहीं करता है।
- इसका नकारात्मक उपयोग अधिकतर जातियों को "नष्ट कर देने" या पाप के कारण उनका "सर्वनाश" कर देने के लिए भी किया जाता है।
- बाइबल में वर्णन है कि मनुष्य का नाम परमेश्वर की जीवन की पुस्तक में से "मिटाया गया" या "हटा दिया गया" , अर्थात उस मनुष्य को अनन्त जीवन प्राप्त नहीं होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार इनका अनुवाद "पीछा छुड़ाना" या "हटाना" या "पूर्णतः नष्ट कर देना" या "पूर्ण रूप से समाप्त कर देना" हो सकता है।
- जीवन की पुस्तक से किसी का नाम मिटा देने के संदर्भ में इसका अनुवाद "हटा देना" या "मिटाना" हो सकता है।

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 29:20
- निर्गमन 32:30–32
- उत्पत्ति 07:23
- भजन 51:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4229, H8045, G1813

मिट्टी देना

परिभाषा:

"मिट्टी देना" का अर्थ है, किसी वस्तु को (प्रायः शव को) कब्र में या अन्य दफ़न के स्थान में रखना और उसको मिट्टी या पत्थरों आदि से भर देना। "दफ़न" अर्थ है, या किसी को गाड़ना या गाड़ने का स्थान का वर्णन करना।

- अक्सर लोग शव को जमीन में एक गहरे गड्ढ़े में डालकर दफनाते हैं और फिर उसे मिट्टी से ढांक देते हैं।
- कभी-कभी शव को एक सन्दूक में रखा जाता है जैसे शव-पेटी, फिर गाड़ा जाता है।
- बाइबल के युग में मृतक प्रायः गुफा या गुफा जैसे स्थान में रखे जाते थे। मृत्यु के बाद यीशु का शव कपड़ों में लपेटकर एक गुफा रूपी कब्र में रखा गया था जिसके मुंह पर बड़ा पत्थर लुढ़का दिया गया था।
- "कब्रिस्तान", "कब्र" या "दफन कक्ष" या "दफन की गुफा" आदि सब शब्द शव को दफनाने के स्थान के संदर्भ में हैं।
- अन्य वस्तुओं को भी गाड़ा जाता था जैसे अकान ने यरीहो से चुराई हुई चांदी एवं अन्य वस्तुओं का गाड़ा था अर्थात भूमि में गाडा था।
- "मुंह ढांपना"" अर्थात "हाथों से मुंह को छिपाना"
- कभी-कभी "छिपाना" शब्द का अर्थ "गाड़ना" भी होता है जैसे अकान ने यरीहो से चुराई हुई वस्तुओं को भूमि में गाड़ दिया था। अर्थात उसने उन्हें भूमिगत कर दिया था।

(यह भी देखें:यरीहो, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 9:9–10
- उत्पत्ति 35:4–5
- यिर्मयाह 25:33
- लूका 16:22
- मत्ती 27:7
- भजन संहिता 79:1–3

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6900, H6912, H6913, G17790, G17800, G22900, G49160, G50270

मिद्यान

तथ्य:

मिद्यान अब्राहम और उसकी पत्नी कतूरा का पुत्र था। यह कनान देश के दक्षिण में उत्तरी अरब रेगिस्तान में स्थित लोगों के समूह और क्षेत्र का भी नाम है। उस समूह के लोग "मिद्यानी" कहलाते थे।

- जब मूसा पहली बार मिस्र से निकला, तो वह मिद्यान के इलाके में गया, जहाँ उसने यित्रो की बेटियों से मुलाकात की और उनकी भेड़-बकरियों को पानी पिलाने में मदद की। बाद में मूसा ने यित्रो की एक बेटी से विवाह कर लिया।
- मिद्यानी दास व्यापारियों का एक समूह यूसुफ को मिस्र ले गया।
- कई वर्षों बाद मिद्यानी लोगों ने कनान देश में इस्राएलियों पर हमला किया और उन पर धावा बोल दिया। उन्हें हराने में गिदोन ने इस्राएलियों का नेतृत्व किया।
- आज की अनेक अरब-जातियां इनकी वंशज हैं।

(देखें अरब, मिस्र, झुण्ड, गिदोन, यित्रो, मूसा)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 07:29–30
- निर्गमन 02:15–17
- उत्पत्ति 25:1–4
- उत्पत्ति 36:34–36
- उत्पत्ति 37:27–28
- न्यायियों 07:1

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **16:3** परन्तु फिर लोग परमेश्वर के बारे में भूल गए और फिर से मूर्तियों की पूजा करने लगे। इसलिए परमेश्वर ने मिद्यानियों को, जो कि पास के शत्रु लोगों के समूह थे, उन्हें पराजित करने की अनुमति दी।
- **16:4** इस्राएली इतने डर गए थे कि वे गुफाओं में छिप गए ताकि **मिद्यानियों** उन्हें न ढूँढ सकें।
- __16:11__उस व्यक्ति के मित्र ने कहा, "इस स्वप्न का अर्थ है कि गिदोन की सेना **मिद्यानियों** की सेना को हरा देगी!"
- __16:14__परमेश्वर ने **मिद्यानियों** को भ्रमित कर दिया, जिससे वे एक दूसरे पर आक्रमण करने लगे और एक दूसरे को मारने लगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4080, H4084, H4092

मिर्याम

तथ्य:

मिर्याम हारून और मूसा की बड़ी बहन थी।

मिलापवाला तम्बू

- जब वह युवा थी तब उसकी माता ने उसे आज्ञा दी थी कि वह नील नदी के नरकटों के मध्य टोकरी में रखे भाई शिशु मूसा की निगरानी करे। फिरौन की पुत्री ने उस बालक को उठा लिया उसने उसकी देखरेख के लिए किसी दासी की आवश्यकता पड़ी तब मिर्याम ने अपनी माता को प्रस्तुत किया था।
- जब इस्राएली लाल सागर पार कर चुके तब मिस्रियों से बच जाने के उपलक्ष्य में और परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए मिर्याम ने आनन्द विभोर होकर नृत्य किया था।
- वर्षों बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब मिर्याम और हारून ने मूसा की बुराई की क्योंकि उसने एक कूशी स्त्री से विवाह किया था।
- उसके विद्रोह और मूसा की बुराई करने का दण्ड देकर परमेश्वर ने उसे कोढ़ग्रस्त कर दिया था। परन्तु मूसा द्वारा उसके लिए प्रार्थना करने पर परमेश्वर ने उसे रोगमुक्ति प्रदान की।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: हारून, कूश, मध्यस्थता करना, मूसा, नील नदी, फिरौन, विद्रोही)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 06:1–3
- व्यवस्थाविवरण 24:8–9
- मीका 06: 3–5
- गिनती 12:1–3
- गिनती 20:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4813

मिलापवाला तम्बू

तथ्य:

शब्द "मिलाप का तम्बू" एक ऐसे तम्बू को संदर्भित करता है जो एक अस्थायी स्थान था जहाँ परमेश्वर ने निवासस्थान के निर्माण से पहले मूसा से मुलाकात की थी।

- निर्गमन की पुस्तक में लिखा है कि मिलापवाला तम्बू इस्राएलियों की छावनी से बाहर था।
- जब मूसा मिलापवाले तम्बू में परमेश्वर से मुलाकात करने जाता था तब बादल का एक स्तम्भ वहां उपस्थित होकर परमेश्वर की उपस्थिति को दर्शाता था।
- जब इस्राएलियों ने परमेश्वर के निवासस्थान को बनाया, तो अस्थायी तम्बू की ज़रूरत नहीं थी और निवासस्थान के संदर्भ में "मिलापवाला तम्बू" कभी-कभी इस्तेमाल किया जाता था।

(यह भी देखें: इस्राएल, मूसा, खंभा, मिलापवाला तम्बू, तम्बू)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 02:28–29
- यहोशू 19:51
- लैव्यव्यवस्था 01:1–2
- गिनती 04:31–32

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **13:8** परमेश्वर ने इस्राएलियों को तम्बू बनाने का विस्तृत विवरण दिया। यह **मिलापवाला तम्बू** कहलाता था, और इसमें दो कमरे थे, जिन्हें एक बड़ा परदा पृथक कर रहा था।
- **13:9** जो कोई भी परमेश्वर के व्यवस्थाओं का उल्लंघन करता है, वह **मिलापवाले तम्बू** के सामने वेदी पर परमेश्वर के लिये पशु का बलिदान चढ़ाएगा।
- **14:8** परमेश्वर बहुत क्रोधित थे, और परमेश्वर का तेज **मिलापवाले तम्बू** में सब इस्राएलियों पर प्रकाशमान हुआ।
- **18:2** अब लोग **मिलापवाले तम्बू** के स्थान पर उस भवन में परमेश्वर की उपासना करते और बलिदान चढ़ाते थे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H168, H4150

मिस्पा

तथ्य:

मिस्पा पुराने नियम में अनेक नगरों के नाम थे। इसका अर्थ है, "निगरानी का स्थान" या "चौकसी का गुम्मट"।

- जब शाऊल दाऊद की ख़ोज में लगा हुआ था तब दाऊद ने अपने माता-पिता को मोआब के राजा की शरण में मिस्पा में रखा था।
- मिस्पा नामक एक नगर यहूदा और इस्राएल राज्यों की सीमा पर था। वह एक प्रमुख सेना केन्द्र था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: दाऊद, यहूदा, इस्राएल राज्य, मोआब, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 15:20–22
- 1 शमूएल 7:5–6
- 1 शमूएल 7:10–11
- यिर्मयाह 40:5–6
- न्यायियों 10:17–18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4708, H4709

मिस्र

तथ्य:

मिस्र अफ्रीका के उत्तर पूर्व से कनान के दक्षिण पश्चिम तक एक देश है। मिस्री जन मिस्र देश का निवासी है।

- प्राचीन युग में मिस्र एक शक्तिशाली एवं धनी देश था।
- प्राचीन मिस्र दो भागों में विभाजित था, निचला मिस्र (उत्तरी भाग जहां से नील नदी बहकर समुद्र में गिरती है) ऊपरी मिस्र (दक्षिणी भाग)। पुराने नियम में इन दोनों भागों को "मिस्र" और "पत्रोस" कहा गया है।
- जब कनान में भोजन की कमी होती थी तब इस्राएल के पित्र भोजन खरीदने मिस्र जाया करते थे।
- इस्राएली सैंकड़ों वर्ष मिस्र में दास बन कर रहे थे।
- यूसुफ और मरियम भी बालक यीशु को हेरोदेस महान से बचाने के लिए मिस्र चले गए थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: हेरोदेश महान, यूसुफ (नया नियम), नील नदी, पित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 4:7–9
- प्रे.का. 7:10
- निर्गमन 3:7
- उत्पत्ति 41:29
- उत्पत्ति 41:57
- मत्ती 2:15

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **8:4** और व्यापारी यूसुफ को **मिस्र** ले गए। **मिस्र** नील नदी के किनारे स्थित एक बड़ा, शक्तिशाली देश था।
- **8:8** फ़िरौन यूसुफ से बहुत प्रभावित हुआ, और उसे **मिस्र** का दूसरा सबसे शक्तिशाली मनुष्य नियुक्त कर दिया।
- **8:11** याकूब ने अपने बड़े बेटों को अन्न लाने के लिए _मिस्र_ भेजा था।
- **8:14** याकूब वृद्ध हो गया था, वह अपने परिवार के साथ **मिस्र** देश गया और वे सब वहा रहने लगे।
- **9:1** यूसुफ की मृत्यु के पश्चात्, उसके कुटुम्बियों ने **मिस्र** में ही वास किया।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4713, H4714, G124, G125

मीका

तथ्य:

मीका, मसीह से 700 वर्ष पूर्व यहूदा में यशायाह के सेवाकाल के समय यहूदा ही में एक भविष्यद्वक्ता था। मीका नामक एक और पुरुष था जो न्यायियों के युग में था।

- मीका की पुस्तक पुराने नियम के अन्त में है।
- मीका ने अश्शूरों द्वारा सामरिया के विनाश की भविष्यद्वाणी की थी।
- मीका ने यहूदा की प्रजा को परमेश्वर की अवज्ञा के लिए झिड़का था और उन्हें चेतावनी दी थी कि शत्रु उन पर आक्रमण करेंगे।
- उसकी भविष्यद्वाणी के अन्त में परमेश्वर में आशा का सन्देश भी था, परमेश्वर विश्वासयोग्य है और अपने लोगों का उद्धार करता है।
- न्यायियों की पुस्तक में मीका नामक एक पुरुष की कहानी है जो एप्रैम में रहता जो चाँदी की मूर्तियां बनाता था। एक युवा लेवी याजक उसके घर में रहने के लिए आया था, उसने उसके घर से वह मूर्ति और अन्य सामान चुराया तथा दान के एक समूह के साथ भाग गया था। अन्त में वह लेवी और दानवंशी लैश नगर में जा बसे और उस चाँदी की मूर्ति को खड़ा करके पूजा आरंभ कर दी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अश्शूर, दान, एप्रैम, मूरत, यशायाह, यहूदा, न्याय, लेवी, याजक, भविष्यद्वक्ता, सामरिया, चाँदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- यिर्मयाह 26:18–19
- मीका 01:1
- मीका 06:1–2

{{tag>publish ktlink}

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4316, H4318

मीकाएल

तथ्य:

परमेश्वर के सब आज्ञाकारी पवित्र स्वर्गदूतों का प्रधान मीकाएल है। वही एकमात्र स्वर्गदूत है जिसे परमेश्वर का प्रधान स्वर्गदूत कहा जाता है।

- "प्रधान स्वर्गदूत" का अर्थ है "स्वर्गदूतों का मुखिया" या "शासन करनेवाला स्वर्गदूत"।
- मीकाएल एक योद्धा है जो परमेश्वर के बैरियों से युद्ध करके उसके लोगों की रक्षा करता है।
- उसने फारस की सेना से युद्ध करने के लिए इस्राएल की अगुआई की थी। अन्त समय में वह दुष्ट की सेना के विरूद्ध इस्राएल की अगुआई करेगा जैसा उसने दानिय्येल से कहा था।
- बाइबल में मीकाएल नाम के अनेक पुरुष हुए है। अनेक पुरुषों की पहचान "मीकाएल का पुत्र" स्वरूप की गई है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: स्वर्गदूत, दानिय्येल, दूत, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 10:12–13
- दानिय्येल 10:20–21
- एज्रा 08:8–11
- प्रकाशितवाक्य 12:7–9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4317, G3413

मीशाएल

तथ्य:

मीशाएल पुराने नियम में तीन पुरुषों का नाम था।

- एक और पुरुष जिसका नाम मीशाएल था, वह हारून का रिश्ते का भाई था। हारून के दो पुत्रों को परमेश्वर ने इसलिए घात कर दिया था कि उन्होंने परमेश्वर की विधि से भिन्न धूप जलाई थी, उस समय मीशाएल और उसके भाई को उनके शव छावनी से बाहर ले जाने का कार्य सौंपा गया था।
- एक और पुरुष जिसका नाम मीशाएल था एज्रा के साथ खड़ा था जब वह परमेश्वर की व्यवस्था, जो उन्हें मिली थी पढ़कर सबको सुना रहा था।
- जब इस्राएली बाबुल की बन्धुआई में थे तब एक युवक, मीशाएल को भी बन्दी बनाकर वहां से ले जाया गया था। बेबीलोन वासियों ने उसे "मेशक" नाम दिया था। उसने और उसके साथियों, अजर्याह (शद्रक) और हनन्याह (अबेदनगो) ने राजा की मूर्ति को दण्डवत् करने से इन्कार कर दिया था जिसके दण्ड स्वरूप उन्हें आग के भट्ठे में डाल दिया गया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: हारून, अजर्याह, बाबेल, दानिय्येल, हनन्याह)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 01:6–7
- दानिय्येल 02:17–18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4332, H4333

मुकुट

परिभाषा:

मुकुट राजा रानी द्वारा सिर पर पहना जानेवाला गोलाकार आभूषण हैं। "मुकुट पहनाना" का अर्थ किसी के सिर पर मुकुट रखना; जिसका प्रतीकात्मक अर्थ है "सम्मानित करना।"

मुहर

- मुकुट सोने या चांदी के बने होते थे और उनमे बहुमूल्य पत्थर मरकत और माणिक जड़े होते थे।
- मुकुट राजा की शक्ति एवं धन-धान्य का प्रतीक था।
- इसके विपरीत सैनिकों ने यीशु के सिर पर कांटों का मुकुट रखा था तो वह उसका ठट्ठा करने और उसे दुःख देने के लिए था।
- प्राचीन युग में जीतने वाले खिलाड़ियों को जैतून के वृक्ष की टहनियों का मुकुट पहनाया जाता था। प्रेरित पौलुस तीमुथियुस को लिखे दूसरे पत्र में इस मुकुट की चर्चा करता है।
- प्रतीकात्मक रूप में "मुकुट पहनाने" का अर्थ है सम्मानित करना। हम परमेश्वर की आज्ञा मानकर और अन्यों में उसका गुणगान करके उसका सम्मान करते हैं। यह ऐसा है जैसे उसके सिर पर मुकुट रखना और उसे राजा स्वीकार करना।
- पौलुस विश्वासियों को अपना "आनन्द और मुकुट" कहता है। इस अभिव्यक्ति में "मुकुट" का अर्थ प्रतीकात्मक है जिसका अर्थ है कि पौलुस बहुत आशिषित और सम्मानित है क्योंकि विश्वासी परमेश्वर की सेवा में विश्वासयोग्य रहे हैं।
- प्रतीकात्मक रूप में उपयोग करने पर मुकुट का अनुवाद "पुरस्कार" या "सम्मान" या "प्रतिफल" किया जा सकता है।
- "मुकुट पहनाने" को जब प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया जाए तो इसका अनुवाद "सम्मान देना" या "विभूषित करना" हो सकता है।
- किसी को मुकुट पहनाने का अनुवाद हो सकता है, "उसके सिर पर मुकुट रखा गया"।
- "महिमा और आदर का मुकुट" का अनुवाद "उसे महिमा और सम्मान दिया गया" या "उसे महिमान्वित या सम्मानित किया गया" या "वह महिमा और सम्मान से सुसंपन्न था"।

(यह भी देखें: महिमा, राजा, जैतून)

बाइबल सन्दर्भ:

- यूहन्ना 19:3
- विलापगीत 5:16
- मत्ती 27:29
- फिलिप्पियों 4:1
- भजन संहिता 21:3
- प्रकाशितवाक्य 3:11

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3803, H3804, H5145, H5849, H5850, H6936, G1238, G4735, G4737

मुहर

परिभाषा:

मुहर लगाने का अर्थ है कि मुहरबन्द वस्तु मुहर जोड़े बिना खोली नहीं जा सकती है।

- मुहर में प्राय कोई चिन्ह होता था जिससे प्रकट होता था कि वह किस की है।
- पत्रों तथा अन्य अभिलेखों पर मुहर लगाने के लिए मोम को पिघलाकर काम में लिया जाता था। मोम जब ठंडा होकर कठोर हो जाता था तब मुहर को तोड़े बिना पत्र खोला नहीं जा सकता था।
- यीशु की कब्र के द्वार पर रखे पत्थर पर मुहर लगाई गई थी कि कोई उस पत्थर को हटाए नहीं।
- पौलुस पवित्र आत्मा को प्रतीकात्मक रूप में मुहर कहता है जिससे हमारा उद्धार सुनिश्चित होता है

(यह भी देखें: पवित्र आत्मा, कब्र)

मूरत/मूरतों

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 02:3–4
- यशायाह 29:11–12
- यूहन्ना 06:26–27
- मत्ती 27:65–66
- प्रकाशितवाक्य 05:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2368, H2560, H2856, H2857, H2858, H5640, G2696, G4972, G4973

मूरत/मूरतों

परिभाषा:

यह सब शब्द मिथ्या देवताओं की आराधना में मूर्तों के संदर्भ में हैं। मूर्तिपूजा के संबन्ध में मूरत तराशी हुई मूर्तियों का लघु शब्द है|

- "तराशी हुई मूर्ति" या "खुदी हुई मूरत" लकड़ी से बनाई हुई पशु, मनुष्य या किसी वस्तु की प्रतिछाया थी।
- "धातु की खुदी हुई मूरत" धातु को पिघला कर सांचे में डालकर किसी वस्तु, पशु या मनुष्य का रूप देना।
- ये लकड़ी के या धातु के प्रतिरूप झूठे देवी-देवताओं की उपासना के काम में लिए जाते थे।
- किसी मूर्ति के लिए "मूरत" शब्द का सन्दर्भ या तो लकड़ी की या धातु की मूर्ति से हो सकता है|

अनुवाद के लिए सुझाव:

- मूर्ति के संदर्भ में "मूरत" का अनुवाद "प्रतिमा" या "खुदी हुई मूरत" या "खुदी धार्मिक वस्तु" किया जा सकता है।
- कुछ भाषाओं में इस शब्द के साथ व्याख्यात्मक शब्द काम में लेना अधिक उचित होगा जैसे "खुदी हुई मूरत" या "ढली हुई मूर्ति" वहाँ भी जहां मूल पाठ में केवल "मूरत" या "लाठ" शब्द हों।
- सुनिश्चित करें कि यह शब्द परमेश्वर के स्वरूप के लिए प्रयुक्त शब्द से भिन्न हो।

(यह भी देखें: झूठे देवता, परमेश्वर, मूरत, परमेश्वर का प्रतिरूप)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 14:9–10
- प्रे.का. 7:43
- यशायाह 21:8–9
- मत्ती 22:21
- रोमियो 1:23

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0457, H1544, H2553, H4541, H4676, H4853, H4906, H5257, H5262, H5566, H6091, H6456, H6459, H6754, H6755, H6816, H8403, H8544, H8655, G15040, G51790

मूर्ख

परिभाषा:

"मूढ़" शब्द उस मनुष्य के सन्दर्भ में है जो प्रायः अनुचित चुनाव करता है, विशेष करके आज्ञा न मानने का चुनाव करना। "मूर्ख" शब्द उस मनुष्य का या आचरण का वर्णन करता है जो बुद्धीमानी का नहीं है।

- बाइबल में मूढ़/मूर्ख शब्द उस मनुष्य के लिए काम में लिया गया है जो परमेश्वर को नहीं मानता या उसकी आज्ञा नहीं मानता है इसकी विषमता में उस मनुष्य को दर्शाया गया है जो बुद्धीमान है अर्थात, जो परमेश्वर पर भरोसा रखता है और उसकी आज्ञाओं को मानता है।
- भजनों में दाऊद मूर्ख को ऐसा मनुष्य कहता है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करता है। वह परमेश्वर की सृष्टि में, परमेश्वर के अस्तित्व के सब प्रमाणों को अनदेखा करता है।
- पुराने नियम की पुस्तक, नीतिवचन में भी अनेक वर्णन हैं कि मूर्ख या मूढ़ मनुष्य कैसा होता है।
- "मूर्खता" शब्द उस कार्य के सन्दर्भ में है जो बुद्धीमानी का नहीं है क्योंकि वह परमेश्वर की इच्छा के विरुद्ध है। "मूर्खता" का अर्थ प्रायः ऐसी बात से सम्बंधित होता है जो हास्यजनक या जोखिमभरी होती है।

अनुवाद के सुझाव:

- "मूर्खता" का अनुवाद "मूर्ख मनुष्य" या "निर्बुद्धि मनुष्य" या "मन्द बुद्धि मनुष्य" या "अभक्त मनुष्य" किया जा सकता है।
- "मूर्ख" के अनुवाद रूप हैं, "समझ में कम" या "निर्बुद्धि" या "मन्द बुद्धि"।

(यह भी देखें: बुद्धिमान)

मूसा

बाइबल सन्दर्भ:

- सभोपदेशक 1:17
- इफिसियों 5:15
- गलातियों 3:3
- उत्पत्ति 31:28
- मत्ती. 7:26
- मत्ती. 25:8
- नीतिवचन 13:16
- भजन-संहिता 49:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0191, H0196, H0200, H1198, H1984, H2973, H3684, H3687, H3688, H3689, H3690, H5014, H5034, H5036, H5039, H5528, H5529, H5530, H5531, H6612, H8417, H8602, H8604, G04530, G04540, G07810, G08010, G08770, G08780, G27570, G31500, G31540, G34710, G34720, G34730, G34740, G39120

मूसा

तथ्य:

मूसा एक भविष्यद्वक्ता और इस्राएलियों का अगुआ था, उसने 40 वर्ष उनकी अगुआई की थी। मिस्र से निर्गमन के समय वह उनका अगुआ था, जैसा निर्गमन की पुस्तक में वर्णन किया गया है।

- शिशु अवस्था में मूसा के माता-पिता ने उसे एक टोकरी में रखकर नील नदी के नरकटों के मध्य छोड़ दिया था, वे उसे मिस्र के फिरौन से सुरक्षित रखना चाहते थे। मूसा की बहन मिरयम उसकी रखवाली कर रही थी। मूसा की जान बच गई क्योंकि फिरौन की पुत्री उसे अपने महल में ले गई कि अपना पुत्र बनाकर उसका पालन पोषण करे।
- परमेश्वर ने मूसा को चुना कि इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से निकाल कर प्रतिज्ञा के देश में ले जाए।
- मिस्र से निकलने के बाद जब इस्राएली जंगल में थे तब परमेश्वर ने मूसा को पत्थर की पट्टियों पर लिखकर दस आज्ञाएं दी थी।
- अपने जीवन के अन्त में मूसा ने प्रतिज्ञा के देश को तो देखा परन्तु वहाँ प्रवेश नहीं कर पाया क्योंकि उसने परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार कार्य नहीं किया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिरयम, प्रतिज्ञा का देश, दस आज्ञाए)

मेमना

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 7:21
- प्रे.का. 7:30
- निर्गमन 2:10
- निर्गमन 9:1
- मत्ती 17:4
- रोमियो 05:14

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **9:12** एक दिन, **मूसा** जब अपनी भेड़ो की देख रेख कर रहा था , तब उसने देखा कि किसी झाड़ी में आग लगी है |
- **12:5** **मूसा** ने लोगों से कहा, “डरो मत, परमेश्वर आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा और तुम्हे बचाएगा |”
- **12:7** परमेश्वर ने **मूसा** से कहा कि अपनी लाठी उठाकर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा और वह दो भाग हो जाएगा |
- **12:12** जब इस्राएलियों ने देखा कि मिस्र के लोग मारे गए है, तो उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया और विश्वास करने लगे कि **मूसा** परमेश्वर का एक नबी है।
- __13:7__परमेश्वर ने यह दस आज्ञाएँ **मूसा** को दो पत्थर की तख्तियों पर लिख के दे दीं |

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4872, H4873, G3475

मेमना

परिभाषा:

“मेमना” इस शब्द का सन्दर्भ भेड़ के बच्चे से है। भेड़ चौपाया पशु होता है जिसके घने ऊन जैसे बाल होते हैं, परमेश्वर के लिए उसकी बलि चढ़ाई जाती थी। यीशु को “परमेश्वर का मेमना” कहा गया है क्योंकि मनुष्यों के पापों का मोल चुकाने के लिए उसकी दी गई थी।

- इन पशुओं का कोई भी आसानी से भटका सकता था इस कारण उनको सुरक्षा की आवश्यकता होती थी| परमेश्वर मनुष्यों की तुलना भेड़ों से करता है।
- परमेश्वर के निर्देशानुसार उसे भेंट चढ़ाने के लिए भेड़ या मेमने को शारीरिक रूप से निष्कलंक होना था।
- यीशु को परमेश्वर का मेम्ना कहा गया है, क्योंकि वह मनुष्यों के पापों के लिए बलि चढ़ाया गया था। वह एक सिद्ध निष्कलंक बलिदान था क्योंकि वह पाप से मुक्त था।

अनुवाद के सुझाव:

- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द है तो उसके बच्चे का नाम के स्थान में अनुवाद किया जाए जैसे “मेम्ना” या “परमेश्वर का मेम्ना”।
- "परमेश्वर का मेमना" का अनुवाद "परमेश्वर का (बलि)मेम्ना" या "मेम्ना, परमेश्वर के लिए बलि चढ़ाया गया" या " परमेश्वर की ओर से (बलिदान का)मेम्ना" के रूप में किया जा सकता है।
- यदि लक्षित भाषा में भेड़ परिचित शब्द नहीं है तो इस शब्द का अनुवाद "एक भेड़ का बच्चा" किया जा सकता है और पाद टिप्पणी में वर्णन किया जाए कि भेड़ क्या होती है। टिप्पणी में भेड़ और भेड़ के बच्चों की तुलना उस क्षेत्र के किसी पशु से की जा सकती है जो झुंड में रहता है, जो भीरू और अरक्षित होता है, और वह प्रायः भटक जाता है।
- यह भी ध्यान रखें कि इस शब्द का अनुवाद निकटवर्ती स्थानीय भाषा में या राष्ट्रीय भाषा में कैसे किया गया है।

(देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: भेड़, चरवाहा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 12:3
- एज्रा 8:35–36
- यशायाह 66:3
- यिर्मयाह 11:19
- यूहन्ना 01:29–31
- यूहन्ना 1:36
- लैव्यव्यवस्था 14:21–23
- लैव्यव्यवस्था 17:1–4
- लूका 10:3
- प्रकाशितवाक्य 15:3–4

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- _5:7_जब अब्राहम और इसहाक बलिदान की जगह की ओर जा रहे थे, इसहाक ने पूछा, " हे मेरे पिता, देख, आग और लकड़ी तो हैं; पर होमबलि के लिए **मेमना** कहाँ है?"
- **11:2** परमेश्वर ने उस में विश्वास करने वाले मनुष्य के पहिलौठे पुत्र को बचाने का मार्ग उपलब्ध करा दिया है। हर परिवार को एक सिद्ध **मेमना** या बकरे का चयन करके उसका वद्ध करना होगा।
- **24:6** अगले दिन, यीशु यूहन्ना के पास उससे बपतिस्मा लेने को आया | जब यूहन्ना ने उसे देखा, तो कहा, “देखो ! **परमेश्वर का मेमना** जो संसार के पापों को उठा ले जाता है।”
- **45:8** उसने पढ़ा, “वे उसको वध किए जाने वाले **मेम्ने** के समान ले गए और जैसे _मेमना_ मूक बना रहता है, उसने एक भी शब्द नहीं कहा।
- **48:8** जब परमेश्वर ने अब्राहम से उसके पुत्र इसहाक की बलि माँगी थी तब परमेश्वर ने उसके पुत्र के स्थान में बलि चढ़ाने के लिए एक **मेमने** का प्रबंध कर दिया था। हम सब मनुष्य अपने पापों के कारण मृत्युदंड के योग्य हैं! परन्तु परमेश्वर ने यीशु को जो परमेश्वर का **मेमना**,दे दिया कि वह हमारे स्थान में बलि होकर मर जाए ।

- **48:9** जब परमेश्वर ने मिस्र पर अंतिम विपत्ति भेजी थी, उसने हर एक इस्राएली परिवार से कहा था कि वह एक सिद्ध **मेमने** का वध करे और उसके लहू को अपने द्वार की चौखटों पर लगाए।

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H7716, G07210 , G23160

मेल करना

परिभाषा:

"मेल करना" और "मेल मिलाप" का संदर्भ "शान्ति बनाना" से है, उनके मध्य जो पहले एक दूसरे के शत्रु थे। "मिलाप" शांति बनाने का कार्य है

- बाइबल में यह शब्द प्रायः परमेश्वर के संदर्भ में है कि वह मनुष्यों के साथ मेल करता है जो मसीह यीशु उसके पुत्र के बलिदान के द्वारा है।
- पाप के कारण सब मनुष्य परमेश्वर के बैरी हैं। परन्तु उसकी करूणा प्रेम के कारण, परमेश्वर ने यीशु के द्वारा उसके साथ मेल करने का मार्ग बनाया है।
- पापों का मूल्य चुकाने के लिए यीशु के बलिदान में विश्वास करके मनुष्य क्षमा किए जाते हैं और परमेश्वर के साथ उनका मेल होता है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- शब्द "मेल करना" का अनुवाद "शांति बनाने" या "अच्छे संबंधों को पुनर्स्थापित" या "मित्र बनने के लिए" के रूप में किया जा सकता है।
- "मेल-मिलाप" का अनुवाद "अच्छे संबन्धों को रचना" या "शान्ति बनाना" या "शान्तिदायक संबन्ध उत्पन्न करना" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: शान्ति, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 कुरिन्थियों 05:18–19
- कुलुस्सियों 01:18–20
- मत्ती 05:23–24
- नीतिवचन 13:17–18
- रोमियो 05:10–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2398 , H3722 , G604 , G1259 , G2433 , G2643, G2644

मेलबलि

तथ्य:

पुराने नियम में "मेलबलि" एक ऐसा बलिदान था जो अनेक कारणों से चढ़ाया जाता था जैसे परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए या मन्नत पूरी करने के लिए।

- इस बलि में पशुबलि किया जाता था, नर पशु या मादा पशु। यह बलि होमबलि से भिन्न था जिसमें नर पशु की बलि दी जाती थी।
- बलि का एक भाग परमेश्वर को चढ़ाने के बाद, बलि चढ़ाने वाला शेष मांस पुरोहितों तथा अन्य इस्राएलियों के साथ बाँटता था।
- इस बलि से जुड़ा भोजन होता था जिसमें अखमीरी रोटी खाई जाती थी।
- इसे कभी-कभी "मेलबलि" भी कहा जाता है।

(यह भी देखें: होमबलि, पूर्ति, अन्नबलि, दोषबलि, मेलबलि, याजक, बलिदान, अखमीरी रोटी, शपथ)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:25–27
- 2 इतिहास 29:35–36
- निर्गमन 24:5–6
- लैव्यव्यवस्था 11:9–10
- गिनती 06:13–15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8002

मेलबलि

तथ्य:

"मेलबलि" परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार इस्राएल में जो बलियां चढ़ती थी उनमें से एक यह भी थी। * इसे कभी-कभी "धन्यवाद की बलि" या "सहभागिता की बलि" भी कहा गया है।

- इनमें एक निर्दोष पशु को बलि किया जाता था और उस पशु का लहू वेदी पर छिड़का जाता था, उसकी चर्बी तथा पशु को अलग जलाया जाता था।
- इस बलि के साथ अखमीरी रोटी तथा खमीरी रोटी दोनों की भेंट चढ़ाई जाती थी जिन्हें होमबलि के ऊपर जलाया जाता था।
- याजक और उपासक दोनों को यह मांस खाने की अनुमति थी।
- इस बलि में परमेश्वर की अपने लोगों के साथ सहभागिता प्रकट होती थी।

(यह भी देखें: होमबलि, सहभागिता, मेलबलि, अन्नबलि, याजक, बलिदान, अखमीरी रोटी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 13:8–10
- यहेजकेल 45:16–17
- यहोशू 08:30–32
- लैव्यव्यवस्था 09:3–5
- नीतिवचन 07:13–15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H8002

मेलिकिसिदक

तथ्य:

अब्राहम के युग में मेलिकिसिदक सालेम का राजा था। (उत्तरकालीन, यरूशलेम का)

- मेलिकिसिदक के नाम का अर्थ है, "धार्मिकता का राजा" और "शलेम का राजा" पद्वी का अर्थ है, "शान्ति का राजा"।
- उसे "सर्वोच्च परमेश्वर का याजक" भी कहा गया है।
- मलिकिसिदक का नाम बाइबल में सर्वप्रथम तब आया था जब उसने अब्राम को रोटी और दाखरस दिया था, उसके भतीजे लूत को उन सामर्थी राजाओं से छुड़ाकर लाने के बाद। अब्राम ने मेलिकिसिदक को अपनी लूट के माल का दसवां भाग दिया था।
- नये नियम में मेलिकिसिदक को ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है जिसका कोई माता पिता नहीं। उसे सदाकालीन राज करनेवाला याजक एवं राजा कहा गया है।
- नये नियम में यीशु को "मलिकिसिदक की रीति पर" याजक कहा गया है। यीशु इस्राएल के याजकों के तुल्य लेवियों के वंश से नहीं था। उसका याजक होना परमेश्वर से था जैसा मलीकिसिदक का था।
- बाइबल में उसके इस वर्णन के आधार पर मलिकिसिदक एक मानवीय याजक था जो परमेश्वर द्वारा चुना गया था कि यीशु का प्रतिनिधित्व करे या उसकी ओर संकेत करे, यीशु शान्ति और धार्मिकता का सदाकालीन राजा और हमारा महान महायाजक।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, अनन्त, महा-याजक, यरूशलेम, लेवी, याजक, धर्मी)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 14:17–18
- इब्रानियों 06:19–20
- इब्रानियों 07:15–17
- भजन संहिता 110:4

मेशेक

तथ्य:

मेशेक पुराने नियम में दो पुरुषों के नाम थे।

- एक मेशेक तो येपेत का पुत्र था।
- दूसरा मेशेक शेम का पोता था।
- मेशेक एक स्थान का नाम भी था जो संभवतः इन दो में से एक के नाम से पड़ा था।
- संभवतः यह क्षेत्र एक भाग में आज के तुर्किस्तान में था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: येपेत, नूह, शेम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:5–7
- यहेजकेल 27:12–13
- उत्पत्ति 10:2–5
- भजन संहिता 120:5–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4851, H4902

मेसोपोटामिया

तथ्य:

मेसोपोटामिया वह क्षेत्र है जो हिद्देकेल और फरात नदियों के मध्य का भूभाग है। यह स्थान आज के ईराक में है।

मैदान

- पुराने नियम में इस क्षेत्र को अरम्नहरैम कहते थे।
- “मेसोपोटामिया” का अर्थ है “नदियों के मध्य”। * “अरम्नहरैम” का अर्थ है, “दो नदियों का अराम”
- अब्राहम मेसोपोटामिया क्षेत्र ऊर और हारान में रहता था, इससे पूर्व कि वह कनान के लिए प्रस्थान करता।
- मेसोपोटामिया का एक और महत्वपूर्ण नगर बेबीलोन था।
- “कसादियों” का देश भी मेसोपोटामिया में था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अराम, बाबेल, कसदी, फरात नदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 02:8–11
- प्रे.का. 07:1–3
- उत्पत्ति 24:10–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H763, G3318

मैदान

परिभाषा:

"प्रांगण" और "आंगन" शब्द एक बंद क्षेत्र को संदर्भित करते हैं जो आकाश की ओर खुला होता है और दीवारों से घिरा होता है।

- वाचा का तम्बू एक आंगन से घिरा हुआ था जो मोटे, कपड़े के पर्दों से बनी दीवारों से घिरा हुआ था।
- मंदिर परिसर में तीन आंतरिक आंगन थे: एक याजकों के लिए, एक यहूदी पुरुषों के लिए, और एक यहूदी महिलाओं के लिए।
- ये आंतरिक आंगन एक छोटी पत्थर की दीवार से घिरे थे जो उन्हें बाहरी आंगन से अलग करती थी जहाँ अन्यजातियों को आराधना करने की अनुमति थी।
- किसी घर का आँगन घर के बीच में एक खुला क्षेत्र होता था।

अनुवाद सुझाव:

- "प्रांगण" और "आंगन" शब्दों का अनुवाद संदर्भ के अनुसार “बंद स्थान” या “दीवारों से घिरी भूमि” या "दीवारों से घिरा स्थान" या "तंबू के मैदान" या “मंदिर के मैदान” या “मंदिर का घेरा” के रूप में किया जा सकता है।
- यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक होगा तो राजा के दरबार के लिए प्रयुक्त शब्द का उपयोग यहोवा के दरबार के लिए भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: गैर-यहूदी,तंबू, मंदिर)

बाइबिल संदर्भ:

- 2 राजा 20:4–5
- निर्गमन 27:9
- यिर्मयाह 19:14–15
- लूका 22:55
- मत्ती 26:69–70
- गिनती 3:26
- भजन संहिता 65:4

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग: H1004, H1508, H2691, H5835, H7339, H8651, G08330, G42590

मोआब

तथ्य:

"मोआब" शब्द एक ऐसे समूह को संदर्भित करता है जो खारे सागर के पूर्व में रहता था। उत्पत्ति की पुस्तक इस व्यक्ति समूह को "मोआब" नामक एक व्यक्ति के वंशज के रूप में वर्णित करती है, जो लूत की बड़ी पुत्री का पुत्र था।

- रूथ की पुस्तक में, एलीमेलेक और उसका परिवार बेतलेहेम के आसपास के अकाल के कारण मोआब में रहने के लिए गया।
- बैतलहमवासी रूत को मोआबिन कहते थे क्योंकि वह मोआब देश की थी। इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, “मोआबी स्त्री” या “मोआब देश की स्त्री”

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बैतलहम, यहूदिया, लूत, रूत, खारे ताल)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 19:36–38
- उत्पत्ति 36:34–36
- रूत 01:1–2
- रूत 01:22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4124, H4125

मोर्दकै

तथ्य:

मोर्दकै फारस में निवास कर रहा एक यहूदी पुरुष था। वह अपनी चचेरी बहन एस्तेर का संरक्षक था, एस्तेर बाद में फारसी राजा क्षयर्ष की पत्नी हुई थी।

- राजा के महल में सेवा करते समय मोर्दकै ने प्रजा के कुछ लोगों को राजा की हत्या का षड्यंत्र रचते सुना। उसने इसकी सूचना दी और राजा की जान बच गई।
- कुछ समय पश्चात मोर्दकै ने फारस में यहूदियों के सर्वनाश के षड्यंत्र को भी सुना। उसने एस्तेर से कहा कि वह अपने लोगों को बचाने के लिए राजा से याचना करे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्षयर्ष, बाबेल, एस्तेर, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- एस्तेर 02:06
- एस्तेर 03:06
- एस्तेर 08:02
- एस्तेर 10:02

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4782

मोलेक

तथ्य:

मोलेक कनानियों का झूठे देवता था जिसकी वे उपासना करते थे। उसे मोलेक भी लिखा गया है।

- मोलेक के उपासक अपने बच्चों को उसकी मूर्ति के समक्ष होम करते थे।
- कुछ इस्राएली भी सच्चे परमेश्वर यहोवा को त्याग कर मोलेक की पूजा करने लगे थे। उन्होंने मोलेक उपासकों की बुरी आदतों का पालन किया, जिसमें उनके बच्चों का त्याग भी शामिल था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: कनान, बुराई, झूठे देवता, परमेश्वर, मूरत, बलि, सत्य, आराधना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 11:7–8
- 2 राजा 23:10–11
- प्रे.का. 07:43
- यिर्मयाह 32:33–35
- लैव्यव्यवस्था 18:21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4428, H4432, G3434